www.samtasaket.page

दैनिक ग्वालियर,भोपाल एवं इंदौर से प्रकाशित.....

RNI-61713/1995

समता साकेत

संस्थापकः स्व.श्री किशन लाल जाटव

प्रधान संपादकः संजीव चौकोटिया

निर्भीक निष्पक्ष आवाज़

वर्ष -31 अंक- 60 | ग्वालियर गुरूवार 09 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ : 8 | मुल्य : 2 रूपये

2 दीवार में सेंध लगाकर 26 तोला सोना ...

5 आईसीसी रैंकिंग जारी-बुमराह नंबर-1 टेस्ट ...

8 मंत्री श्री तोमर ने किया 'वीमित्र ऐप' ....

कांग्रेस बताए– 2008 में किसके दबाव में हमला करने से रोका था : पीएम मोदी

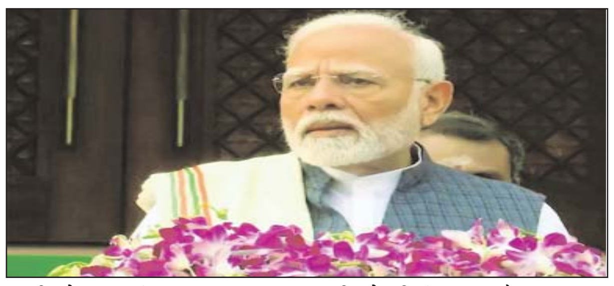

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दो दिन के दौरे पर मुंबई पहुंचे। पीएम ने यहां नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले फेज का उद्घाटन किया। साथ ही 22 मिनट की स्पीच दी। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, जीएसटी रिफॉर्म और विकसित भारत पर बात की। साथ ही कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा।

पीएम ने कहा कि 2008 में आतंकियों ने मुंबई शहर को बड़े हमले के लिए चुना। तब की कांग्रेस सरकार ने कमजोरी का मैसेज दिया। आतंकियों के सामने घुटने टेके। हाल ही में कांग्रेस के बड़े नेता और जो देश के गृहमंत्री तक रह चुके हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में दावा किया कि मुंबई हमले के बाद हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार थी। लेकिन उस नेता की माने तो किसी दूसरे देश के दबाव के कारण कांग्रेस सरकार ने भारत की सेनाओं को पाकिस्तान पर हमला करने से रोका।

दरअसल पीएम मोदी ने 30 सितंबर को मनमोहन सरकार में गृह मंत्री रहे पी चिदंबरम के बयान का जिक्र किया। चिदंबरम ने कहा था कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के बाद उनके मन में भी बदला लेने का विचार आया था, लेकिन उस वक्त की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया। 2008 में कांग्रेस ने कमजोरी का मैसेज दिया÷ साथियों मुंबई भारत की आर्थिक राजनीति के साथ सबसे वाइब्रेंट शहरों में से एक है। 2008 में आतंकियों ने भी मुंबई शहर को बड़े हमले के लिए चुना। तब की कांग्रेस सरकार ने कमजोरी का मैसेज दिया। आतंकियों के सामने घुटने टेके। हाल ही में कांग्रेस के बड़े नेता और जो देश के गृह मंत्री तक रह चुके हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में दावा किया कि मुंबई हमले के बाद हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार थी। पूरा देश भी यही चाहता था। लेकिन उस नेता की माने तो किसी दूसरे देश के दबाव के कारण कांग्रेस सरकार ने भारत की सेनाओं को पाकिस्तान पर हमला करने से रोका।

सैटकॉम क्रांति के अग्रदूत के रूप में उभर रहा भारत: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

» आईएमसी में आयोजित सैटकॉम समिट में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सैटकॉम में भारत की भूमिका पर डाला प्रकाश

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यशोभूमि, नई दिल्ली में आयोजित इंडियन मोबाइल कांग्रेस-2025 के पहले दिन सैटकॉम समिट में भाग लिया और ''स्पेस नेटवर्क्स फॉर यूनिवर्सल कनेक्टिविटी'' विषय पर अपने विचार साझा किए। संचार मंत्रालय द्वारा आयोजित इस इवेंट में विश्वभर के विशेषज्ञ शामिल हुए हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्व की गति तय कर रहा है।

''आकाश से आरंभ, धरती पर परिवर्तन''

सिंधिया ने कहा कि यह सम्मेलन केवल एक और तकनीकी समिट नहीं, बल्कि एक नई क्रांति की शुरुआत है। एक ऐसी क्रांति जो आकाश में जन्म लेती है, सैटेलाइट्स द्वारा संचालित होती है और धरती पर मानव जीवन में बदलाव लाती है।

उन्होंने कहा सैटकॉम केवल तकनीक नहीं है, डिजिटल युग का न्याय है। यह उस किसान के लिए न्याय है जो लद्दाख में वास्तविक समय के मौसम अपडेट चाहता है, उस मछुआरे के लिए जो लक्षद्वीप में तूफान की चेतावनी सुनना चाहता है, उस बच्चे के लिए जो छत्तीसगढ़ के जनजातीय गाँव में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक से सीखना चाहता है, और उस डॉक्टर के लिए जो बाढ़ग्रस्त असम में मरीजों तक पहुँचना चाहता है।

भारत अब केवल सहभागी नहीं, नेतृत्वकर्ता है: सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने न केवल विश्व की गति पकड़ी है, बल्कि अब विश्व को दिशा देने वाला देश बन गया है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में भारत ने 5 प्रतिशत कनेक्टिविटी से 99.9 प्रतिशत आबादी को जोड़ा, देशभर में 4.8 लाख टावर स्थापित किए, और अब सैटकॉम के क्षेत्र में दुनिया का सबसे तेज रोलआउट करने की दिशा में अग्रसर है।

डिजिटल भारत निधि से सुदूर गाँवों तक पहुँच

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि डिजिटल भारत निधि के माध्यम से भारत सरकार ने 38,000 से अधिक दुर्गम गाँवों को कनेक्टिविटी से जोड़ने का लक्ष्य रखा है।

अब तक 29,000 गाँवों (लगभग 75 प्रतिशत) को जोड़ा जा चुका है, जिसमें 40,000 करोड़ का निवेश किया गया है। उन्होंने कहा जहाँ सड़कें नहीं पहुँचतीं, वहाँ सैटकॉम पहुँचेगा और यही सच्चे समावेशन की कहानी होगी।

भारत का अंतरिक्ष आरोहण, आत्मविश्वास और नवाचार का प्रतीक

सिंधिया ने कहा कि भारत ने आर्यभट्ट से लेकर चंद्रयान-3 तक की यात्रा में यह सिद्ध किया है कि अब हमारे सपने दूसरों की कक्षाओं में नहीं, अपनी स्वयं की कक्षा में परिक्रमा कर रहे हैं। उन्होंने अदित्य-L1, Gaganyaan, और NAVIC जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अब "केवल भागीदार नहीं, बल्कि नवाचार का अगुआ" बन चुका है।

भारत वैश्विक नवाचार का संचालक बनेगा

सिंधिया ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत केवल इस वैश्विक प्रगति का दर्शक न रहे, बल्कि इस सिम्फनी का संचालक (Conductor) बने। सरकार, उद्योग, स्टार्टअप, अकादमिक संस्थान और अंतरराष्ट्रीय साझेदार सहित सबको मिलकर इस साझा मिशन को आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा आकाश से हमें भविष्य पुकार रहा है, आइए, इसे साहस, निष्ठा और सहयोग से उत्तर दें।

हिमाचल : भूस्खलन से मृतकों की 16 मौत

मलबे में दबी बच को निकालने में जुटे बचाव दल

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में मंगलवार शाम को हुए भीषण भूस्खलन के मलबे में दबने से एक निजी बस के क्षतिग्रस्त होने के बाद बुधवार सुबह एक बच्चे का शव मिलने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 16 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बिलासपुर के उपायुक्त राहुल कुमार ने एक समाचार एजेंसी को पुष्टि की कि बचाव दल ने अब तक तीन जीवित बचे लोगों को बाहर निकाला है और 15 शव बरामद किए हैं। बस में सवार यात्रियों की सही संख्या अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन अधिकारियों का अनुमान है कि भूस्खलन के समय बस में 30 से ज्यादा लोग सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि जीवित बचे लोगों में दो भाई-बहन, आरुषि और शौर्य शामिल हैं, जिनका वर्तमान में एम्स बिलासपुर में इलाज चल रहा है।अधिकारियों ने मृतकों की पहचान नक्ष, आरव, संजीव, विमला, कमलेश, कांता देवी, अंजना, बख्शी राम, नरेंद्र शर्मा, कृष्ण लाल, चुनी लाल, रजनीश, सोनू, शरीफ खान और प्रवीण कुमार के रूप में की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिवारों के लिए 2-2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये के मुआवजे की घोषणा की। यह वित्तीय सहायता प्रधानमंत्री राहत कोष से प्रदान की जाएगी।

ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने रानी मुखर्जी के साथ फिल्म देखी

मुंबई। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने बुधवार को मुंबई में बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी के साथ फिल्म देखी। उन्होंने यशराज स्टूडियो का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सीईओ अक्षय विधानी से भी मुलाकात की। उन्होंने कौन सी फिल्म देखी इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

स्टार्मर आज ही मुंबई पहुंचे हैं। 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा है। उनके साथ व्यापार, संस्कृति और दूसरे क्षेत्रों के 100 से अधिक लोगों का एक डेलिगेशन भी आया है, जिसमें आईटी, ऑटो-मोबाइल सहित कई क्षेत्रों के कारोबारी भी शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्टार्मर आज कूपरेज ग्राउंड में एक फुटबॉल कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। इसके अलावा शाम को विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात कर सकते हैं।

ब्रिटेन में यशराज की 3 बड़ी फिल्मों की शूटिंग होगी

यशराज फिल्म्स ने यह पुष्टि की है कि वह अपनी तीन बड़ी फिल्मों की शूटिंग 2026 की शुरुआत से यूनाइटेड किंगडम में करेगी। ब्रिटिश पीएम ने कहा कि इस कदम से ब्रिटेन में 3,000 से अधिक नौकरियां पैदा होंगी।प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा, बॉलीवुड ब्रिटेन में वापसी कर रहा है। यह पार्टनरशिप भारत-ब्रिटेन ट्रेड डील के असली मकसद को पूरा करती है।यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी ने कहा, यूके हमेशा हमारे लिए बेहद खास रहा है। हमारी सबसे बड़ी फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे वहीं फिल्माई गई थी। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर का हमारे स्टूडियो आना और इस साझेदारी पर हस्ताक्षर करना हमारे लिए सम्मान की बात है।

स्वदेशी जोहो मेल पर शिफ्ट हुए अमित शाह

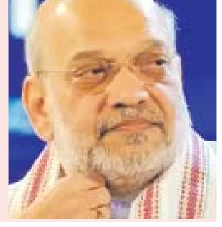

नई दिल्ली। भारत सरकार जोहो नाम की कंपनी को खूब प्रोमोट कर रही है. हाल ही में कई केंद्रिय मंत्रियों ने 'श्द्धश के प्रोडक्ट्स की तारीफ़ की और लोगों से इन्हें यूज़ करने को कहा. जोहो का वाट्सअप्प राइवल अराट्टाई को भी सरकार प्रोमोट कर रही है. होम मिनिस्टर अमित शाह ने भी ङ्ग पर एक पोस्ट किया है. इस पोस्ट में लिखा है कि उन्होंने जोहो मेल पर स्विच कर लिया है. इतना ही नहीं, इस पोस्ट में अमित शाह ने अपनी नई जोहो की ईमेल आईडी भी शेयर की है. इस पोस्ट की लास्ट लाइन भी दिलचस्प है. अमित शाह ने लिखा है, 'मेरी नई ईमेल आईडी है. मेल के जरिए फ्यूचर कॉरेस्पॉन्डेंस के लिए इसी ईमेल आईडी का इस्तेमाल करें'

पाकिस्तान को 4 दिन में धूल चटाई : एयरफोर्स चीफ एपी सिंह

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना का 93वां वायुसेना दिवस गाजियाबाद के हिंडन स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर मनाया जा रहा है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने शत्रु पर सिर्फ चार दिनों में विजय प्राप्त की।

उन्होंने कहा- ऑपरेशन सिंदूर में हमारा प्रदर्शन हमें पेशेवर गौरव से भर देता है। ऑपरेशन सिंदूर इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि सावधानी के साथ योजना बनाकर, अनुशासन के साथ ट्रेनिंग और दृढ़ निश्चय के साथ क्या हासिल किया जा सकता है। स्वदेशी हथियारों ने दुश्मन के इलाके में अंदर तक सटीक प्रहार किए।इससे पहले वायुसेना के विमानों ने शानदार करतब दिखाए। विमानों से तिरंगा लहराया गया। इस साल वायुसेना दिवस की थीम 'सक्षम, सशक्त, आत्मनिर्भर' है। यह दिवस ऑपरेशन सिंधु के वीर योद्धाओं को समर्पित है। इस मौके पर वायुसेना के साहस और शौर्य के लिए 97 वीरता पुरस्कार प्रदान किए गए।

मध्यप्रदेश में जहरीले सिरप से बच्चों की मौत का आंकड़ा 23 तक पहुंचा

छिंदवाड़ा में सिविल सर्जन को हटाया ड्रग इंस्पेक्टर ने डिप्टी सीएम को गिनाई लैब की खामियां

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में जहरीले सिरप से बच्चों की मौत का आंकड़ा 23 तक पहुंच गया है। इस मामले में एक और एक्शन हुआ है। डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बुधवार को छिंदवाड़ा जिला अस्पताल के सिविल सर्जन नरेश गोन्नाड़े को हटा दिया है। उनकी जगह डॉ. सुशील दुबे नए सिविल सर्जन बनाए गए हैं।

नरेश गोन्नाड़े सीएमएचओ भी हैं, उनके पास सिविल सर्जन का प्रभार भी था। जिसके बाद उनसे सिविल सर्जन का चार्ज वापस ले लिया गया है। इससे पहले बुधवार को डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कलेक्ट्रेट में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान ड्रग इंस्पेक्टर ने उन्हें लैब की खामियां गिनाई।

स्वास्थ्य मंत्री मृतक बच्चों के परिजन से भी मिले। इससे पहले डिप्टी सीएम मंगलवार रात को नागपुर पहुंचे थे, यहां वे अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती बीमार बच्चों से मिले। इसके बाद शुक्ल छिंदवाड़ा पहुंचे। राहुल गांधी आएंगे परासिया, पीड़ितों से मिलेंगे इस बीच खबर है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 11 या 12 अक्टूबर को छिंदवाड़ा आएंगे। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, वे परासिया में कफ सिरप पीने से मृत बच्चों के परिजन से मुलाकात करेंगे।

बैठक में ड्रग इंस्पेक्टर ने स्वास्थ्य मंत्री को लैब की कमियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारी लैब को अपडेशन की जरूरत है। इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कहां की लैब, छिंदवाड़ा की या भोपाल की। इस पर ड्रग इंस्पेक्टर ने कहा कि भोपाल की लैब। वहां पर ही माइक्रो लेवल पर टेस्टिंग नहीं हो पाती और जांच में भी समय लगता है।

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के बाद 25 लोगों का रेस्क्यू

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों के ऊंचे इलाकों में पिछले 24 घंटों से बर्फबारी जारी है। सेना ने डोडा जिले के ऊपरी इलाकों में अपने पालतू जानवरों के साथ बर्फीले तूफान में फंसे बकरवाल समुदाय के 25 आदिवासियों को बचाया है।

वहीं, आज से जम्मू-कश्मीर के कटरा में वैष्णो देवी यात्रा फिर से शुरू हुई है। खराब मौसम के कारण 5 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक यात्रा रोकी गई थी। 3 दिन के बाद यात्रा शुरू होने से श्रद्धालु खुश हैं। सुबह से ही सैकड़ों लोग दर्शन के लिए रवाना हुए।

हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन स्नोफॉल हुआ। लाहौल-स्पीति में रात के तापमान -0.5एष्ट दर्ज किया गया। रात में बिलासपुर जिले में निजी बस पर लैंडस्लाइड हुई। हादसे में 16 लोगों की मौत हुई है। बस में करीब 30 यात्री सवार थे।

करूर भगदड़ : विजय की टीवीके ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया

नई दिल्ली। तमिल अभिनेता विजय की राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने करूर भगदड़ की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने के मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। इस भगदड़ में 41 लोग मारे गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। टीवीके पार्टी ने याचिका दायर करते हुए इस मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में स्वतंत्र एजेंसी से कराए जाने की मांग की। मामले में पहले ही मद्रास हाईकोर्ट विशेष जांच टीम (एसआईटी) से जांच करने का आदेश दे चुका है। हालांकि, हाईकोर्ट के इस आदेश को पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इससे पहले, इसी मामले में एक पीड़िता के परिजनों ने भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पहली जिम्मेदारी कलेक्टर्स की: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

» पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने भी किया पुलिस का मार्गदर्शन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कलेक्टर्स जिले के प्रशासनिक मुखिया होने के साथ-साथ जिला दण्डाधिकारी भी हैं, इसीलिए जिले में कानून व्यवस्था की बहाली सुनिश्चित करने की पहली जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। उन्होंने कहा कि कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षक अपने-अपने जिलों में खुद का प्रभावी सूचना तंत्र विकसित करें, ताकि किसी भी घटना या दुर्घटना की सूचना तत्काल प्राप्त हो और समय पर नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने कहा कि किसी घटना या दुर्घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचे। इससे घटना या दुर्घटना और अधिक बड़ा रूप नहीं लेंगी। जिला अधिकारियों के मौके पर पहुंचने से स्थिति नियंत्रण में बहुत मदद मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कलेक्टर एवं एसपी दोनों में उच्च कोटि का तालमेल होना चाहिए। दोनों संयुक्त रूप से कार्ययोजना बनाकर जिले की कानून व्यवस्था की निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था के दृष्टिगत ऐसी संवेदनशील बस्तियां जहां सड़कें सकरी हैं, तथा फोर्स मूवमेंट में समस्या आती है, सभी कलेक्टर्स ऐसे स्पॉट्स/जगहों को चिन्हित कर वहां का जोनल प्लान स्थानीय नगरीय निकायों के सहयोग से अगले तीन माह में तैयार कर लें, ताकि आवागमन सुगम हो और आवश्यकता पड़ने पर फोर्स मूवमेंट में समस्या न आए। उन्होंने मार्च 2026 तक मध्यप्रदेश को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए ठोस रणनीति बनाने के लिए कहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस-2025 के आठवें एवं अंतिम सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सेंसिटिव पुलिसिंग पर जोर देते हुए कहा कि जनता में पुलिस के प्रति विश्वास भाव होना चाहिए। पुलिस अपनी साख बनाएं और अपराधों को रोकने में तत्परतापूर्वक कार्यवाही करें। प्रदेश के सभी कलेक्टर्स-एसपी की संयुक्त कॉन्फ्रेंस का विषय ÷कानून एवं व्यवस्था की सुनिश्चितता÷ था। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की मौजूदगी में हुए इस अंतिम सत्र का संचालन

अपर मुख्य सचिव गृह विभाग श्री शिवशेखर शुक्ला ने किया। सत्र में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि मध्यप्रदेश को मार्च 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त करने के दृष्टिगत 6 माहों में बालाघाट, मण्डला और डिण्डोरी जिलों के कलेक्टर्स और एसपी लक्ष्य केंद्रित कर यह काम पूरा करें। उन्होंने कहा कि नक्सली घटनाओं को समाप्त करने के लिए हर संभव कार्यवाही करें। नक्सली या तो सरेंडर करें अन्यथा उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि बालाघाट जिले में नक्सली गतिविधियों में बेहद कमी आने के कारण केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बालाघाट को अति नक्सलवाद प्रभावित जिले की श्रेणी से कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पहली जिम्मेदारी कलेक्टर्स की: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

डाउनग्रेड कर सामान्य श्रेणी में कर दिया है। उन्होंने इस उपलब्धि पर कलेक्टर-एसपी बालाघाट दोनों को बधाई दी। बताया गया कि कलेक्टर बालाघाट द्वारा नक्सल प्रभावित ग्रामों में विशेष प्रयास करके 200 से अधिक युवाओं को एलएनटी जैसी कंपनी में रोजगार दिलाया है। इससे वह दिशाभ्रमित होने से बच गए और समाज की मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस साल ही हमने आठ मुठभेड़ में दस नक्सली मार गिराए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में रह रहे अवैध बांग्लादेशियों को बाहर करने के लिए पुलिस एवं अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से कार्य करें, इस काम में और सख्ती लाएं। उन्होंने बताया कि अब तक 19 बांग्लादेशियों को चिन्हित कर वापस भेजा गया है। अवैध घुसपैठियों के खिलाफ ऐसी कार्यवाही आगे भी जारी रखें। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्कूल एवं कॉलेज के आसपास आपराधिक तत्वों पर लगाम कसने के लिए सूचना तंत्र विकसित करें, निगरानी तंत्र को और तेज करें और ऐसे चिन्हित स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएं। स्कूल-कॉलेजों के आसपास असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण के लिए पुलिस के साथ अन्य विभागों को भी जोड़ा जाए। पुलिस एवं प्रशासन खुद के सूचना तंत्र से जानकारी लेकर अपराधों पर अंकुश लगाएं। नगरीय निकाय और पंचायतें पुलिस के सुझाव के अनुसार सीसीटीवी कैमरे उपलब्ध कराएं।

प्रतिबंधित कफ सिरप रेसपीफ्रेश-टीआर की 186 शीशी फ्रीज

जिले में कफ सिरप रिलाइफव रेसपीफ्रेश की बिक्री रोकने लगातार मेडिकल स्टोर की जांच की जा रही है

मुरैना। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में संदिग्ध कोल्ड एण्ड कफसिरप के सेवन से बच्चों की मौत के मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की।इसके तहतखाद्य एवं औषधि प्रशासन मुरैना के मार्गदर्शन में औषधि निरीक्षक बीएल बिरधरिया ने गत दिवस विभिन्न मेडीकल स्टोरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने 186 शशियों को आदेश व नियम के अनुसार फ्रीज कर दिया है।

औषधि निरीक्षक बीएल बिरधरिया ने बताया कि कफ सिरप रिलाइफ के बैच नं. एलएसएल 25160 व रेसपीफेश-टीआर आर 01 जीएल 2523 को अवमानक घोषित किया गया है। इसके बाद इनकी बिक्री तत्काल प्रतिबंधित की गई। इसका कारण इनमें एक्सिपिएंट डाएथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा अनुमेय सीमा 0.1: डब्ल्यू/वी से अधिक 0.616: डब्ल्यू/वी और 1.34: डब्ल्यू/वी पाया जाना है। औषधि परीक्षण प्रयोगशाला की जांच में अमानक मिलने के बाद दोनों कफ सिरप की बिक्री रोकने के लिए प्रदेश के नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आदेश पर जिले में जांच शुरू की गई है।

श्री बिरधरिया ने बताया कि रेसिपीफ्रेश टीआर कफसिरप के स्टॉकिस्ट मेसर्स नितिन मेडिको सहकारी मार्केट मुरैना में बैच संख्या आर01जीएल 2523 की 186 शीशियों को आदेश व नियम के अनुसार फ्रीज कर दिया एवं उनको निर्माता को वापिस भेजे जाने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं।नितिन मेडिको द्वारा जिन मेडिकल को इस बैच नंबर की दवा को बेचा गया है, उनकी भी जांच की जा रही है।साथ ही कोल्डरिफ एवं रिलाइफ़ कफसिरप की मुरैना जिले में सप्लाई नहीं हुई है। मेडिकलों का लगातार निरीक्षण कर प्रतिबंधित दवाओं के कॉम्बिनेशन की मिलती जुलती दूसरी दवाओं के सैंपलों को परीक्षण एवं जांच के लिए औषधी परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है, जिससे किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके।

इसी प्रकार नितिन मेडिको के अलावा मैसर्स संभव मेडिकल एजेंसी मुरैना एवं यदुनंदन मेडिकल स्टोर मुरैना की जांच की गई है।औषधि निरीक्षक ने जिले के समस्त मेडिकल संचालकों को सर्कुलर जारी कर प्रतिबंधित औषधियों के संबंध में खरीदी विक्रय की जानकारी कार्यालय खाद्य एवं औषधि प्रशासन जिला मुरैना में तत्काल प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही 4 साल से छोटे बच्चों के लिए दवा पर लिखी चेतावनी चेक करने के बाद ही चिकित्सीय परामर्श पर परिजन को देने की बात कही हैं।आमजन से अपील की जाती है कि बिना चिकित्सीय परामर्श के दवाइयों का सेवन न करें। अवमानक एवं प्रतिबंधित औषधियों के संबंध में औषधि निरीक्षक मुरैना द्वारा लगातार जांच की जा रही है।

नगरीय निकाय की फोटोयुक्त मतदाता सूची और पंचायतों की मतदाता सूची के लिए कमेटी गठित

मुरैना। नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2025 का कार्य वर्तमान में प्रचलित है। इसके लिए कलेक्टर लोकेश कुमार राचमन्द्र जांगिड़ की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की उपस्थिति में बैठक 08 अक्टूबर को दोपहर 02 बजे नवीन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है।

बैठक में समस्त अनुविभागीय अधिकारी, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि, नगरीय निकायों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, पार्षद सदस्य के रूप में नियुक्त किये है।

इसी प्रकार पंचायतों की मतदाता सूची के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अध्यक्ष होंगे। सदस्य के रूप में सीईओ जिला पंचायत, अपर कलेक्टर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत उपाध्यक्ष, जनपदों के अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य उपस्थित रहेंगे। यह बैठक 08 अक्टूबर को दोपहर 02 बजे आयोजित की गई है।

दीवार में सेंध लगाकर 26 तोला सोना समेत रायफल चोरी

मुरैना/पोरसा। पुलिस थाना पोरसा में नए प्रभारी की आमद के साथ चोरों ने भी अपनी आमद दर्ज करा दी है। मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात को कौंथरकलां पंचायत के मजरा ताल का पुरा मड़ोखर में पूर्व सरपंच के घर की दीवार में सेंध लगाकर बदमाश रायफल समेत 26 तोला सोने के जेवरात चुराकर ले गए। चोरों ने मंदिर सहित तीन अन्य जगह भी वारदातों को अंजाम दिया।

मिली जानकारी के मुताबिक कौंथर पंचायत के मजरा ताल का पुरा मड़ोखर निवासी पूर्व सरपंच जगदीश सिंह और उनके परिवार के सदस्य मंगलवार की रात को अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। देर रात को बदमाशों ने घर के पिछले हिस्से में स्थित कमरे की दीवार में सेंध लगाई और अंदर घुस गए। जिसके बाद बदमाश कमरे में रखी मंगल सिंह पुत्र जगदीश सिंह की लाईसेंसी इंग्लिश मेड रायफल के साथ 26 तोला वजनी सोने के जेवरात चुराकर ले गए। जिनमें सोने की करधनी, चूड़ियां, जंजीर, तीन अंगूठी, झुमके, चांदी की करधनी, चांदी का गुच्छा, जूड़ा, जंजीर शामिल है। चोरी हुए माल की कीमत 30 लाख रूपये बताई जा रही है। पोरसा पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

घर में मातम का माहौल, चोर ले गए 30 हजार नगदी, जेवरात

मंगलवार की रात को बदमाशों ने ताल का पुरा में सरदार सिंह के घर दूसरी वारदात को अंजाम दिया। सरदार सिंह के पुत्र राजेश सिंह का करीब 7 दिन पहले निधन हो गया था। घर में मातम का माहौल पसरा हुआ है। एक ही घर में सरदार सिंह और उनके पुत्र राजेश का परिवार अलग-अलग कमरों में रहते है। मंगलवार की रात को बदमाश घर में घुसे और सरदार सिंह एवं राजेश के कमरों से 30 हजार नकदी सहित जेवरात चुराकर ले गए। वारदात के वक्त परिवार के सदस्य घर के बाहर सो रहे थे।

हनुमान मंदिर से दानपेटी समेत घंटे चुरा ले गए बदमाश

बदमाशों ने तीन घरों को निशाना बनाने के बाद गांव के हनुमान मंदिर पर धावा बोला। यहां से बदमाश मंदिर की दानपेटी के साथ पीतल के घंटे चुराकर ले गए।

घर के बाहर सो रहे बुजुर्ग पर किया धारदार हथियार से हमला

बदमाश जब चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे थे, तभी घर के बार सो रहे बुजुर्ग रामभरोसे शर्मा की नींद खुल गई। रामभरोसे ने चिल्लाकर पूछा कौन है तो बदमाशों ने उसके ऊपर धारदार हथियार से हमला किया और भाग निकले। हमले में रामभरोसे शर्मा को हल्की चोटें आईं है।

थाना अम्बाह पुलिस द्वारा अवैध रूप से विक्रय हेतु भंडारित किए गए

50,000 कीमती अवैध पटाखों को किया जप्त

मुरैना। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ (भापुसे) द्वारा जिले में अवैध पटाखों का निर्माण करने वाले एवं क्रय-विक्रय करने वाले आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जाकर जिले के समस्त थाना प्रभारियों एवं राजपत्रित अधिकारियों को प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त अभियान के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र पाल सिंह डावर के निर्देशन एवं एसडीओपी अम्बाह रवि प्रकाश भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना अम्बाह पुलिस द्वारा अवैध रूप से विक्रय किए जाने हेतु भंडारित किए गए करीबन 50,000 / - कीमती अवैध पटाखे जब्त किए गए।

दिनांक 07.10.25 को थाना अम्बाह पर मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि जग्गा चौराहा बालाजी बुक सेंटर के सामने बुद्धा शर्मा के मकान में 01 व्यक्ति द्वारा अवैध पटाखों का क्रय-विक्रय किया जा रहा है। मुखबिर की उक्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना अम्बाह पुलिस द्वारा जग्गा चौराहे पर स्थित उक्त स्थान पर पहुंचकर दबिश दी गई, तो 01 व्यक्ति पुलिस को आता देख अंधेरे का लाभ उठाकर भाग गया, बाद उक्त स्थान की तलाशी तो वहां बड़ी मात्रा में पटाखे मिले, जिसके संबंध में संबंध में वैध लायसेंस ना होने से उक्त अवैध पटाखे कीमती करीबन 50,000/- को मौके से जब्त किया गया। बाद थाना वापसी पर नामजद आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 436/2025 धारा 288 बीएनएस एवं धारा 5, 9 (ख) विस्फोटक अधिनियम के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मैसर्स प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित रामपुर को उर्वरक स्कंध विक्रय करने पर रोक

मुरैना। कलेक्टर के आदेशानुसार उप संचालक कृषि अनंत बिहारी सड़ैया ने उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश 1985 की धारा 26 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित रामपुर का उर्वरक परीक्षण करने के लिए अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिये गये थे।

निर्देशों के तहत अधिकारियों द्वारा मैसर्स प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित रामपुर के उर्वरकों का सैम्पल लिया, सैम्पल अमानक पाया गया। इस पर उप संचालक ने मैसर्स प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित रामपुर को उर्वरक स्कंध का मुरैना जिले में क्रय, विक्रय, भंडारण एवं स्थानान्तरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है।

आइसेक्ट की कौशल रथ कौशल विकास यात्रा का आयोजन किया गया

मुरैना। प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र आइसेक्ट मुरैना के शाखा प्रबंधक ने बताया कि कौशल यात्रा का शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 01 मुरैना में किया गया। जिसमें कुछ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके साथ ही पुरस्कार वितरण भी किया गया। इस अवसर पर प्रिंसिपल मुकेश और आइसेक्ट के ग्वालियर के स्टेट कॉर्डिनेटर अनुप चौबे एवं संजय सिंह उपस्थित थे।

कौशल विकास और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत देश की अग्रणी संस्था आईसेक्ट ने कौशल रथ - कौशल विकास यात्रा 2025 का शुभारंभ किया। यह यात्रा 20 राज्यों के 300 जिलों के 500 स्कूलों, कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचेगी और लाखों विद्यार्थियों, युवाओं एवं शिक्षकों को कौशल विकास तथा नवीनतम तकनीकों से परिचित कराएगी। नीति आयोग ने विकसित भारत 2047 के लिए एआई को केंद्रीय भूमिका दी है। आईसेक्ट का यह अभियान इसी दृष्टि को जमीनी स्तर तक पहुँचाने का प्रयास है। यात्रा का मुख्य आकर्षण ।प् स्पजमतंबल डपेपवद है। आईसेक्ट के विशेष रूप से तैयार किए गए कौशल रथ के माध्यम से यह अभियान गाँव-गाँव और शहर शहर तक पहुँचेगा। इन वाहनों में एआई, एआर, वीआर जैसी भविष्य की तकनीकों से संबंधित सामग्री, डेमो और जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। यात्रा के दौरान निःशुल्क एआई सेमिनार, कार्यशालाएँ, करियर काउंसलिंग सत्र और तकनीकी प्रदर्शन भी आयोजित किए जाएंगे।

यात्रा के पश्चात, शहर के विभिन्न आईसेक्ट केंद्रों में एक सप्ताह तक निःशुल्क एआई सेमिनार और ऑन-द-स्पॉट काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा, ताकि वे छात्र और युवा जो यात्रा में उपस्थित नहीं हो पाए, भी इसका लाभ ले सकें। आईसेक्ट के प्रवक्ता ने बताया, कौशल विकास यात्रा 2025 केवल एक शैक्षणिक अभियान नहीं है, बल्कि यह युवाओं को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने, उन्हें रोजगारोन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराने और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक ठोस पहल है। भविष्य में एआई आधारित कौशल ही युवाओं को बेहतर रोजगार दिलाने की सबसे बड़ी कुंजी साबित होंगे।

शासकीय विधि महाविद्यालय में जूडो जिला स्तरीय प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मुरैना। शासकीय विधि महाविद्यालय मुरैना में अंतर महाविद्यालयीन जूडो जिला स्तरीय प्रतियोगिता (महिला व पुरूष) का आयोजन बुधवार को किया गया।

प्रतियोगिता में पीएमश्रीओई शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरैना के विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र त्यागी, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. भावना बघेल, सहायक प्राध्यापक डॉ. अंजुली चौहान एवं लाइब्रेरियन गनेश सिंह कुशवाह जिला स्तरीय चयन समिति के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. हरेन्द्र सिकरवार, सुदीप सिंह, डॉ. भारतेन्दु तोमर, संजीव सिंह तथा नीरज सिंह गुर्जर एवं महाविद्यालय का समस्त स्टाफएवं छात्र, छात्राऐं उपस्थित रहे।

सबलगढ़ में चार स्थानों पर हुई सैंपलिंग की कार्यवाही

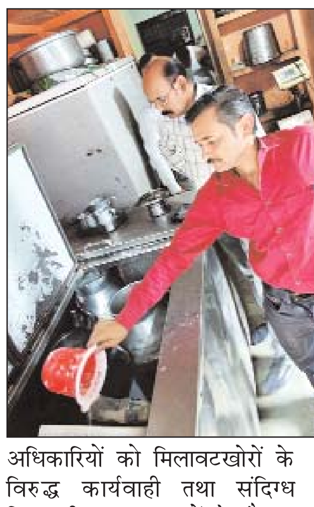

मुरैना/सबलगढ़। दीपावली के त्यौहार को देखते हुए कलेक्टर लोकेश जांगिड़ द्वारा खाद्य विभाग के अधिकारियों को मिलावटखोरों के विरुद्ध कार्यवाही तथा संदिग्ध मिलावटी खाद्य वस्तुओं के सैम्पल करने के दिए गए। निर्देशों का पालन करते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल प्रताप सिंह परिहार एवं महेंद्र सिरोहिया की टीम ने सबलगढ़ में चार स्थानों पर आकस्मिक चेकिंग कर खाद्य वस्तुओं के नमूने लेकर सैंपलिंग की कार्रवाई की गई। 08 अक्टूबर को सबलगढ़ में स्थित मंगल इंटरप्राइजेज की दुकान से क्रीम एवं पनीर के नमूने लिए गए। भोलेबाबा दुग्ध डेयरी से घी का नमूना लेकर सैंपलिंग की कार्रवाई की गई। इसी प्रकार रामेश्वर संजीव कुमार की दुकान से महालक्ष्मी बटर, नमकीन का नमूना लिया गया, जबकि मुकेश गोयल की डेयरी से मिक्सड पनीर एवं घी का नमूना लेकर सैंपल की कार्रवाई की गई थी तो कई डेयरी संचालक डेयरी बंद कर भाग गए।

दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग को लेकर अग्रवाल महासभा ने दिया ज्ञापन

मुरैना। बुधवार को अग्रवाल महासभा मुरैना के अध्यक्ष मोहन बंसल के नेतृत्व में महामंत्री ताराचंद मंगल, उप महामंत्री रवि गर्ग, युवा महासभा अध्यक्ष अंशुल सिंहल, युवा मंडल अध्यक्ष विक्की बंसल सहित वैश्य वर्ग के अनेक गणमान्य व्यक्तियों के साथ एडिशनल एसपी मुरैना सुरेन्द्र पाल सिंह डाबर को ज्ञापन सौंपा गया।

उक्ताशय की जानकारी देते हुए प्रभाकर मिश्रा ने बताया कि सौंपे गए ज्ञापन में 07 अक्टूबर की रात्रि को पुलिसकर्मी द्वारा जो कि पुलिस के वाहन में मदिरापान कर रहे थे उन्होंने अग्रसेन महाराज की प्रतिमा के सामने शराब की एक खाली बोतल फेंकी, क्योंकि उस समय कुछ मीडियाकर्मी पहुंच गए जिन्होंने वीडियो बनाना प्रारंभ कर दिया। इस बात से घबराकर उन्होंने खाली बोतल अग्रसेन जी की प्रतिमा के सामने फेंक दी। उक्त घटना से अग्रवाल समाज के लोग आहत हैं। हमारी मांग है कि आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाए।

करहधाम रोड पर सवारियों से भरा ऑटो पलटने से सात यात्री घायल

मुरैना। नूराबाद थाना क्षेत्र में करहधाम रोड पर बुधवार की शाम सवारियों से भरा एक ऑटो वाहन अचानक सामने पालतू पशु के आने से अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे ऑटो में सवार महिला एवं पुरुष जख्मी हो गए। सूचना मिलते ही डायल-112 वाहन मौके पर पहुंचा और सभी घायलों को नूराबाद स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया। मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार की शाम करीब 4 बजे एक ऑटो वाहन करहधाम रोड पर सवारियां लेकर जा रहा था। इसी दौरान जब ऑटो धनेला गांव के मोड़ के पास पहुंचा था, तभी ऑटो के सामने एक पालतू पशु आ गया। जिसे बचाने के फेर में ड्राईवर ऑटो से अपना नियंत्रण खो बैठा और ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ऑटो में सवार 4 महिलाएं एवं तीन पुरुष जख्मी हो गए। हादसे की सूचना डायल-112 वाहन को राज्यस्तरीय कंट्रोल रूम से प्राप्त हुई। जिसके बाद एफआरवी-112 वाहन को लेकर आरक्षक ललित शर्मा और पायलट लोकेन्द्र शर्मा घटनास्थल पर पहुंचें और सभी घायलों को तत्काल नूराबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया। जहां उन्हें उपचार के लिए भर्ती किया गया है।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने स्कूली वाहनों पर चैकिंग अभियान चलाया, 17 वाहनों पर 27500 रूपये का जुर्माना

मुरैना। कलेक्टर लोकेश कुमार रामचन्द्र जांगिड़ के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती अर्चना परिहार ने बुधवार को सघन चैकिंग अभियान चलाया। जिसमें जिले के संचालित स्कूली वाहनों के विरुद्ध चैकिंग अभियान के अंतर्गत 6 प्रमुख स्कूलों का निरीक्षण किया। जिसमें लगभग 70 वाहनों की जांच की गई। मैदानी चेकिंग में 8 वाहनों में कमी पाई जाने पर चालानी कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त अन्य श्रेणी के 17 वाहनों पर चालानी कार्यवाही कर 27500 रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया। साथ ही 2 अन्य वाहन बीमा फिटनेस न होने पर जब्त कर सिविल लाइन थाने, ट्रैफिक थाने रखवाए गए।

जौरा पुलिस ने पकड़े अवैध पटाखे

मुरैना/जौरा। स्थानीय पुलिस द्वारा अवैध रूप से पटाखे बेचते हुए पटाखे जप्त कर मामला कायम किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नगर निरीक्षक दर्शन शुक्ला को सुभाष रोड पर अवैध रूप से पटाखे बेचने की जानकारी मिली। जिस पर से उन्होंने प्रधान आरक्षक प्रवेंद्र सिंह तोमर सहित अन्य पुलिसकर्मियों को मौके पर भेजा तो पुलिस टीम को मौके पर पटाखे बेचते हुए एक व्यक्ति मिला। पुलिस ने मौके पर से पटाखे जप्त किए गए। जप्त किए गए पटाखे की कीमत लगभग 8000 बताई गई है। संबंधित के विरुद्ध अवैध रूप से पटाखे बेचने को लेकर मामला प्रकरण दर्ज किया गया है।

29वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन 01 से 06 नवम्बर तक

मुरैना। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारास्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में संपूर्ण देश में राष्ट्रीय युवा दिवस तथा पूर्ण सप्ताह राष्ट्रीय युवा मनाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

निर्देशों के तहत सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने कला एवं सांस्कृतिक पहलुओं को समझने और सराहने, एक-दूसरे की संस्कृतियों का अन्वेषण करना, पारंपरिक कला रूपों का बढ़ावा देना, सांस्कृतिक विविधता के प्रति सम्मान तथा युवाओं का उनकी प्रतिभा का प्रदान करने हेतु उन्हें मंच प्रदान के लिए राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 29वें राष्ट्रीय युवा उत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक और नवाचार थीम में जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर 16 से 29 वर्ष की आयु वर्ग के युवा भाषण, कहानी, लेखन, कविता, पेंटिंग, समूह लोकगीत, समूह लोक नृत्य एवं विज्ञान मेला प्रदर्शनी में प्रतिभागिता करेंगे।

जिसमें जिला स्तर पर 01 से 6 नवम्बर, संभाग स्तर पर 6 से 10 नवम्बर और राज्य स्तर पर 12 नवम्बर, पंजीयन तथा 13 एवं 14 नवम्बर और राष्ट्रीय स्तर पर 10 से 12 जनवरी 2026 तक कार्यक्रम होंगे। भाषण, कहानी लेखन, पेटिंग, कविता, विज्ञान मेला प्रदर्शनी में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करेंगे।

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2025 **//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//** मुरैना, दिनांकः- 08.10.2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैः-

क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	560/34, नया वार्ड 39 गायत्री कॉलोनी मुरैना	श्रीमती सुधा राजौरिया पत्नी अशोक राजौरिया श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी राजीव शर्मा निवासी- गायत्री कॉलोनी मुरैना	श्रीमती सावित्री देवी पत्नी ऋषिकेश	रजिस्टर्ड दानपत्र, पटवारी खसरा, न्यायालय तहसीलदार का आदेश
2	1283/37, नया वार्ड 12 एमआईजी- 792, पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मुरैना	मुकेश डण्डौतिया पुत्र रामप्रकाश डण्डौतिया निवासी- एमआईजी 792, पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मुरैना	राजीव डण्डौतिया पुत्र रामप्रकाश डण्डौतिया	रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र
3	817/31, नया वार्ड 42 श्याम बिहार कॉलोनी मुरैना क्षेत्रफल- 600 वर्गफीट	सुरेन्द्र सिंह पुत्र मुंशी सिंह निवासी- ग्राम जरारा तहसील व जिला मुरैना	श्रीमती रामरती पत्नी मुंशी सिंह	विक्रय पत्र, पटवारी खसरा
4	483/14, नया वार्ड 19, 1/2 भाग गोपी स्कूल वाली गली इस्लामपुरा मुरैना	श्रीमती सल्लो पत्नी स्व. बरकतिया खाँ, कमरुद्दीन, नसरुद्दीन, सद्दाम, एहसान खाँ, इमरान खाँ, रमान खाँ, नपीसा बानो, रूबीना बानो पुत्रगण/पुत्री स्व. बरकतिया खाँ निवासी- गोपी स्कूल वाली गली इस्लामपुरा मुरैना	स्व. बरकतिया खाँ पुत्र स्व. अहमद खाँ	पुराना विक्रय पत्र, शपथ पत्र, सजरा शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
5	58/14, नया वार्ड 19, 1/2 भाग गोपी स्कूल वाली गली इस्लामपुरा मुरैना	श्रीमती सल्लो पत्नी स्व. बरकतिया खाँ, कमरुद्दीन, नसरुद्दीन, सद्दाम, एहसान खाँ, इमरान खाँ, रमान खाँ, नपीसा बानो, रूबीना बानो पुत्रगण/पुत्री स्व. बरकतिया खाँ निवासी- गोपी स्कूल वाली गली इस्लामपुरा मुरैना	स्व. बरकतिया खाँ पुत्र स्व. अहमद खाँ	पुराना विक्रय पत्र, शपथ पत्र, सजरा शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 15 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

राजस्व प्रभारी
नगर पालिक निगम, मुरैना

निगम का स्वास्थ्य अधीक्षक 25 हजार की रिश्वत लेते दबोचा

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर के स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय अधीक्षक राजेश सक्सैना को 25 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये लोकायुक्त पुलिस ने पकड़ा है। यह राशि स्वास्थ्य अधीक्षक ने वार्ड 58 जोन 13 की सफाई संरक्षक से मांगी थी। आवेदिका ने इसकी शिकायत लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक निरंजन लाल शर्मा को की। इसके बाद लोकायुक्त पुलिस ने रिश्वतखोर स्वास्थ्य विभाग अधीक्षक पर ट्रेप की कार्रवाई की।

लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक निरंजन लाल शर्मा ने बताया कि लोकायुक्त पुलिस ने नगर निगम ग्वालियर के स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय अधीक्षक राजेश सक्सैना को 25 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये पकड़ा है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वार्ड 58 जोन 13 की सफाई संरक्षक श्रीमती वर्षा पत्नी आशु घेंघट ने पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त को आवेदन किया कि पिता की मृत्यु उपरांत अनुकंपा

नियुक्ति दिलाने एवं मृत्यु उपरांत देयकों के भुगतान एवज में 100000 की मांग की गई। जिसको लेकर प्रभारी कार्यालय अधीक्षक स्वास्थ्य विभाग नगर निगम राजेश सक्सेना द्वारा किस्तों में रिश्वत राशि मांगी जा रही है। शिकायत का सत्यापन कराया तो शिकायत सही पाई गई। बुधवार को वर्षा से रिश्वत राशि किस्तों में लेना तय हुआ। जैसे ही बुधवार को वर्षा घेंघट ने रिश्वत की राशि 25 हजार रुपए कार्यालय अधीक्षक स्वास्थ्य विभाग नगर निगम में स्वास्थ्य अधीक्षक राजेश सक्सैना को दी तो लोकायुक्त पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। पुलिस आरोपी के विरुद्ध धारा 7, पीसी एक्ट 1988 (संशोधित अधिनियम 2018) के अंतर्गत कार्यवाही कर रही है। ट्रेप टीम में निरीक्षक केपीएस बैन, निरीक्षक श्रीमती अंजलि शर्मा, निरीक्षक अभिषेक वर्मा, प्रधान आरक्षक देवेन्द्र पवैया, हेमंत शर्मा, मनोज कुशवाह, आरक्षकगण राजेन्द्र सिंह, प्रशांत सिंह, विनोद शाक्य, सुनील राजपूत, रवि सिंह शामिल हैं।

महिलाओं को ठगने वाला गिरोह बर्स्ट, दो महिला व एक पुरुष और दो नाबालिग पकड़े

- महिलाओं को बातों में फंसाकर उतरवाते थे गहने

ग्वालियर । जनकगंज थाना पुलिस ने सड़क पर महिलाओं को ठगने वाले एक गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह में शामिल दो महिलाओं, एक पुरुष और दो नाबालिगों सहित पांच सदस्यों को मुरैना के बामौर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास ठगी के सोने के आभूषण भी बरामद किए हैं।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक रतन कॉलोनी निवासी लक्ष्मी अग्रवाल उम्र 70 मंदिर से दर्शन कर घर लौट रही थीं। रास्ते में ठगों ने महिला को धौलपुर का पता पूछने के बहाने बातों में उलझाया और गहने उतरवा लिए। इसके बाद उन्होंने रुमाल में कंकर-पत्थर रखकर महिला को दे दिया और मौके से फरार हो गए। बुजुर्ग की शिकायत मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। सीसीटीवी फुटेज की मदद से

आरोपियों की पहचान हुई और टीम ने मुरैना के बामौर से 5 को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से सोने के आभूषण बरामद कर लिए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सीता (22), दीपा (28) और कार्तिक (38) के रूप में हुई है, जबकि दो अन्य नाबालिग हैं। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि गिरोह की महिलाएं सड़क किनारे मौजूद रहती हैं और राह चलती महिलाओं को बातों में फंसाती हैं। इसके बाद नाबालिग साथी मौके पर पहुंचकर गहने उतरवाने का काम करते हैं और उन्हें तुरंत छिपा लेते हैं। आरोपियों ने मुरार इलाके में भी इसी तरह की ठगी करने की बात कबूल की है। पुलिस को शक है कि यह गिरोह अन्य वारदातों में भी शामिल रहा है। जनकगंज सर्किल की सीएसपी किरण अहिरवार ने बताया कि दो दिन में दो महिलाओं के गहने उतरवाकर ठगने वाले इस गिरोह की लोकेशन बामौर में मिली थी। पुलिस ने वहां दबिश देकर सभी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने जनकगंज, कोतवाली और मुरार क्षेत्रों में भी वारदातें करने की बात कबूल की है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

नाती को दादा ने नहीं दिए पैसे तो कर दी मारपीट

ग्वालियर। आवारागर्दी और नशाखोरी करने वाले नाती को जब दादा ने रुपए नहीं दिए तो उसने डंडे से उनकी पिटाई कर दी। पिटाई होते देख कुछ पड़ोसी व परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे और बुजुर्ग को नाती के हाथों पिटने से बचाया।पुलिस ने आरोपी नाती के खिलाफमामला कायम कर लिया है। प्यारेलाल उर्फ माठू 85 वर्ष अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनका नाती अनिल आवारागर्दी करता है और नशा करता है। अनिल से पूरा परिवार परेशान है। बीते रोज दोपहर में अनिल ने अपने दादा प्यारेलाल से रुपए मांगे। प्यारेलाल ने अनिल से कहा कि अभी उनके पास पैसे नहीं है बाद में ले लेना। इसी बात पर अनिल भड़क गया और अपने दादा से अभ्रदता करते हुए गाली-गलौज करने लगा। ऐसा करने से अनिल को रोका तो उसने पास में रखा हुआ डंडा उठाया और अपने दादा प्यारेलाल की पिटाई करने लगा। पिटाई से अनिल के दादा बुरी तरह से चीखने-चिल्लाने लगे तो कुछ पड़ोसी व घर के अन्य सदस्यों ने उन्हें बचाया। घर में हंगामा होने के बाद जब सब लोग वहां इकत्रेहुए तो आरोपी अनिल मौका देखकर भाग निकला। अनिल की हरकतों से परेशान परिजन हजीरा थाने गए और पुलिस को पूरी बात बताई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि अनिल इसी तरह हर रोज घर में किसी न किसी बात को लेकर कलह करता है। नशेबाजी के लिए रुपए मांगता है, जबकि खुद कुछ करता नहीं है। उसकी आदतों से पड़ोसी भी परेशान हैं, क्योंकि अपनी लत को पूरी करने के लिए वह उनसे भी उधार रुपए मांगता रहता है। पुलिस ने आरोपी अनिल के खिलाफमामला कायम कर लिया है।

दिनों दिन तेजी से लुढ़क रहा रात का पारा

- 5 दिन में तीन अंक घट गया पारा
- इस सीजन में पहली बार 22.1 डिसे दर्ज
- आगामी दो दिन बाद पुनः चढ़ेगा पारा

ग्वालियर। बुधवार को मौसम में विशेष प्रभाव देखा गया। इस सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान 22.1 डिसे दर्ज हुआ। इससे पहले बीते माह सबसे कम न्यूनतम तापमान 24 सितंबर को दर्ज हुआ था तब रात का पारा 24 डिसे आंका गया था। उसके ठीक 14वें दिन बुधवार को न्यूनतम तापमान 22.1 डिसे आंका गया है। यह सामान्य से 0.8 डिसे अधिक दर्ज हुआ। इसी तरह अधिकतम तापमान में भी अभी उतार चढ़ाव जारी है।

बताया जाता है कि बर्फीले प्रदेशों से आ रही ठंडी हवा के चलते ग्वालियर में अभी मौसम सुहावना हो गया है। लेकिन आगामी दो दिन बाद पुनः तापमान में इजाफा होता हुआ देखा जायेगा। स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार बीते दिन मंगलवार को अधिकतम तापमान 31 डिसे दर्ज हुआ था। जबकि बुधवार को 0.4 अंक बढ़कर दिन का तापमान 31.4 डिसे दर्ज हुआ है। यह सामान्य से 3.7 डिसे मायनस में आंका गया। इसी तरह बीते दिन मंगलवार को न्यूनतम तापमान 23.1 डिसे आंका गया था। जबकि बुधवार को एक अंक घटकर रात का पारा 22.1 डिसे दर्ज हुआ। यह पांच महीने में सबसे कम न्यूनतम तापमान है। बुधवार को सुबह की आर्दता 90 प्रतिशत तथा शाम की आर्दता 70 प्रतिशत आंकी गई।

वर्ष 2024 की अपेक्षा तेजी से गिरा पारा

बुधवार को दर्ज न्यूनतम तापमान ने बीते साल का भी रिकार्ड तोड़ दिया है। वर्ष 2024 में 8 अक्टूबर को रात का पारा 23.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ था। जबकि इस साल बुधवार को उक्त तापमान 22.1 डिसे आंका गया। हालांकि बीते वर्ष इससे भी कम न्यूनतम तापमान 18 सितंबर को 21.7 डिसे हो चुका था।

दिन में गर्मी, रातें सुहावनी

अब बरसाती गतिविधियां समाप्त हो गई है। तो वही मानसून की वापसी तेजी से जारी है। जिसके चलते आगामी 2 से 3 दिनों में मानसून पूरी तरह से लौट जायेगा। इसके साथ ही हवा में घुली नमी कम होने लगेगी। उधर आसमान साफ होने से मौसम शुष्क होने लगेगा। आगामी 48 घंटे के बाद दोपहर में तेज धूप तथा सुबह व शाम को हल्की ठंडक का अहसास रहेगा।

संक्रमण व सर्दी जुकाम बढ़ने की संभावना

सुबह शाम हल्की ठंडक व गुलाबी सर्दी में संक्रमण तथा सर्दी जुकाम का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में बुजुर्ग व बच्चों को एहतियात बरतने की जरूरत है। बताया जाता है कि इस मौसम में फसलों को भी कीट नियंत्रण व संक्रमण खतरे से भी बचाना चाहिये। कृषि वैज्ञानिक व चिकित्सकों का कहना है कि तापमान के उतार चढ़ाव तथा परिवर्तन सभी को प्रभावित करता है।

कार ने मारी सामने से टक्कर, सगे भाई घायल

ग्वालियर। काम निपटाकर अपने घर जा रहे सगे भाई हादसे का शिकार हो गए। कार चालक ने लापरवाही व तेजी से वाहन चलाते हुए सामने से उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे दोनों भाई सड़क पर गिर गए और घिसटते हुए दूर तक चले गए। घटना पनिहार थाना क्षेत्र के गुनाह रोड ईंट भट्टे के पास बीते रोज की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोनू जाटव व सोनू जाटव पुत्र रमेश जाटव निवासी बरई पनिहार किसी काम से भितरवार गए थे। काम समाप्त करने के बाद दोनों भाई बाइक नम्बर एमपी07जेडजे-8432 से वापस घर जा रहे थे। बाइक को सोनू चला रहा था, जबकि मोनू पीछे बैठा हुआ था। दोनों भाई गुनाह रोड पर ईंट भट्टों के पास पनिहार तक पहुंचे थे तभी सामने की तरफ से आ रही कार नम्बर यूपी80एफएफ 4686 के चालक ने लापरवाही से चलाते हुए बाइक में टक्कर मार दी। पुलिस ने मामला कायम कर कार नम्बर के आधार पर उसके चालक की तलाश शुरु कर दी है।

क्लीनिक के बाहर से बाइक चोरी

ग्वालियर। डबरा सिटी थाना क्षेत्र के चौपाटी चौराहा से बीते रोज एक डॉक्टर की क्लीनिक के बाहर से मरीज की बाइक चोरी हो गई। जानकारी के मुताबिक मनोज पुत्र दौलत सिंह निवासी प्रेम नगर कॉलोनी बाइक नम्बर एमपी07एनएच-4072 से डॉ. अनंत केतकर की क्लीनिक तक गया था। जब वह वापस आया तो देखा कि उसने जहां बाइक खड़ी की थी, वहां थी नहीं। आसपास तलाश किया लेकिन बाइक का कहीं पता नहीं चला। पुलिस ने अज्ञात बाइक चोर के खिलाफमामला कायम कर लिया है।

रिटायर्ड फौजी के घर के बाहर पड़ोसी ने की फायरिंग, आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर। पीतांबरा कॉलोनी में रहने वाले सेवानिवृत्त फौजी के घर के बाहर मंगलवार बुधवार की दरम्यानी रात बदमाश ने फायरिंग कर दी। बदमाश ने घर के बाहर गाली-गलौज करते हुए अवैध हथियार से एक के बाद तीन गोलियां चलाई और मौके से फरार हो गया था। यह पूरी घटना घर के बाहर लगे सीसीटीव्ही कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

सेना से रिटायर्ड फौजी रामौतार सिंह सिकरवार पुत्र उदय सिंह सिकरवार (49) अपने परिवार के साथ पीतांबरा कॉलोनी के मकान नंबर ब्लॉक बी-30 में सो रहे थे। तभी उन्हें गोलियों चलने की आवाज सुनाई दी। गोलियों की आवाज सुनका जब वह बाहर आये

तो वहां कोई नहीं था। जिसकी सूचना फौजी ने तत्काल पुलिस को दी। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सीसीटीव्ही फुटेज और शिकायत के आधार पर पड़ोस में रहने वाले आरोपी रामू प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रामू प्रजापति ने फायरिंग करने की बात तो कबूल कर ली है, लेकिन वारदात के पीछे का कारण बताने से इनकार कर रहा है।

पुलिस उससे घटना और हथियार के संबंध में पूछताछ कर रही है। इस मामले में सीएसपी नागेंद्र सिंह सिकरवार ने बताया कि थाने पर सूचना प्राप्त हुई थी कि एक फौजी घर के बाहर एक बदमाश ने फायरिंग की है। सूचना पर थाने का बल मौके पहुंचा था। जहां जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर लिया, फिलहाल पकड़े गए बदमाश के खिलाफ मामला दर्ज कर उस घटना और हथियार के संबंध में पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही उसका अपराधी रिकॉर्ड भी निकलवाया जा रहा है।

चाचा-भतीजे रंगदारी कर रहे युवकों पर पड़े भारी

ग्वालियर। ठाटीपुर थाना क्षेत्र में दो युवक दुकान पर बैठे चाचा-भतीजे से उलझ गए। चाचा-भतीजा दोनों युवकों पर भारी पड़े तो एक ने दांत से काट लिया और बाद में मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजवीर सिंह जाटव की गल्ला कोठार में दुकान है। बीते रोज राजवीर अपने चाचा बल्लू के साथ दुकान पर बैठा हुआ था उसी समय वहां मनीष उर्फ लल्लू तथा रवि निवासी गल्ला कोठार पहुंचे। दुकान पर ही दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर मुंहवाद शुरु हो गया। मुंहवाद होते-होते बात हाथापाई तक पहुंच गई तो चाचा-भतीजे ने रंगदारी कर रहे मनीष और रवि को सबक सिखाना शुरु कर दिया। बात हाथ से जाते देख रवि और मनीष ने राजवीर के चाचा बल्लू को दांत से काट लिया। दांत से काटने के बाद दोनों आरोपियों ने राजवीर व उसके चाचा बल्लू की पिटाई कर दी और वहां से यह कहते हुए भाग गए कि अगर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई तो जान से मार देंगे। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

कोठी में खेल रहे थे जुआ, तीन दबोचे

दीपावली के नजदीक आते ही पुलिस ने जुआ की फड़ों पर दबिश देना शुरू कर दिया है। डबरा देहात पुलिस ने सिमरिया गांव में सोनी की कोठी पर दबिश देकर तीन जुआरियों को पकड़ा है। जुआरियों के पास से 21 सौ रुपए जब्त किए गए हैं। डबरा देहात टीआई सुधाकर सिंह तोमर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सिमरिया गांव में सोनी की कोठी में जुआरियों की फड़ लगी है। पुलिस ने सूचना मिलते ही दबिश दी तो वहां से आकाश धाकड़, रिंकू सेन तथा धर्मेन्द्र सेन को जुआ खेलते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। तीनों के पास से कुल 21सौ रुपए बरामद हुए। पुलिस आरोपियों के खिलाफ जुटा एक्ट के तहत कार्रवाई कर रही है।

स्कूटी से ले जा रहा था अवैध शराब, पकड़ा

ग्वालियर। रात के अंधेरे में स्कूटी से अवैध शराब का परिवहन करने वाले तस्कर को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी से 49 क्वार्टर शराब के मिले जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। गाड़ी भी जब्त की जिससे तस्करी कर रहा था। हजीरा थाना प्रभारी अशोक सिंह तोमर को मुखबिर ने सूचना दी थी कि अवैध शराब स्कूटी में रखकर ले जाई जा रही है।

सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम ने लाइन नम्बर 2 तानसेन नगर में घेराबंदी की। रात करीब 9 बजे स्कूटी सवार एक युवक को पुलिस ने रोका और उसके वाहन की तलाशी ली तो आरोपी के पास से अवैध शराब के क्वार्टर जब्त हुए। शराब के क्वार्टर जब्त करने के बाद पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कपिल कोरी पुत्र आसाराम कोरी निवासी लाइन नम्बर 8 बिरला नगर बताया। पकड़ी गई शराब की कीमत करीब 4 हजार रुपए है।

आरोग्य भारती की बैठक संपन्न,आगामी कार्यक्रमों को लेकर बनी रणनीति

शिवपुरी। श्रीमंत राजमाता विजया राजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय व अस्पताल के अधीक्षक कार्यालय में आरोग्य भारती जिला इकाई शिवपुरी की बैठक संपन्न हुई जिसमें आरोग्य भारती के प्रांत संगठन मंत्री मुकेश दीक्षित के मार्गदर्शन में आगामी कार्यक्रमों को लेकर योजना बनाई गई तथा पूर्व के कार्यक्रमों को लेकर भी समीक्षा की गई।

बैठक के पश्चात आरोग्य भारती के जिला संरक्षक एवं पूर्व सिविल सर्जन डॉ पीके खरे के बड़े भाई के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया।

आरोग्य भारती के जिला अध्यक्ष डॉ गिरीश दुबे एवं नगर अध्यक्ष रवि गोयल ने संयुक्त रूप से बताया कि सोमवार को शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में आरोग्य भारती जिला इकाई शिवपुरी की बैठक आयोजित हुई जिसमें अनेक विषयों पर चर्चा की गई और साथ ही में आगामी कार्यक्रमों को लेकर रणनीति बनाई गई और राष्ट्रीय पदाधिकारियों का शिवपुरी प्रवास होने की संभावना है जिसको लेकर भी कार्यक्रम की योजना भी तय की गई।

उक्त बैठक आरोग्य भारती के प्रांत संगठन मंत्री मुकेश दीक्षित ने ली इस बैठक जिला अध्यक्ष डॉ गिरीश दुबे, सचिव डॉ आशुतोष चौरषि, नगर अध्यक्ष रवि गोयल, उपाध्यक्ष डॉ पंकज शर्मा, विभाग संरक्षक आलोक एम इंदौरिया,राहुल गंगवाल, संतोष शिवहरे, राजेन्द्र राठौर,शशांक त्यागी, नीरज कुमार छोटू आदि उपस्थित रहे।

बाबा साहब डॉ अम्बेडकर पर आपत्तिजनक बयान देने पर भीम आर्मी ने अनिल मिश्रा का पुतला जलाया

शिवपुरी। शहर के हृदय स्थल माधव चौक पर बुधवार को आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र राजे और दिनेश जौराठी के नेतृत्व में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं द्वारा एडवोकेट अनिल मिश्रा का पुतला दहन किया गया और इसके उपरांत ज़िला कलेक्टर के नाम भी एक ज्ञापन सौंपा गया। गत दिनों ग्वालियर उच्च न्यायालय में अधिवक्ता अनिल मिश्रा द्वारा संविधान निर्माता और भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर पर अनर्गल, अशोभनीय और अमर्यादित बयान दिया गया जिसको लेकर शहर के माधव चौक पर भीम आर्मी और बहुजन समाज के

कार्यकर्ताओं ने वकील मिश्रा का पुतला जलाया और मुर्दाबाद के नारे लगाए।

भीम आर्मी ने कहा कि इससे स्पष्ट और साफ जाहिर होता है कि इनकी सोच न समाज के हित में और न ही राष्ट्र के हित में है जब ये देश के प्रथम कानून मंत्री और विश्व सबसे लोकतंत्र के महानायक पूज्य बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के प्रति इतनी घृणा रख रहे हैं तो हम नागरिकों के प्रति इनकी क्या सोच होगी यह विचारणीय और सोचने का प्रश्न है।

ये सामाजिक सौहार्द और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी खतरा है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से अनुरोध किया कि आईटी एक्ट, एससी एसटी अत्याचार अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत तत्काल एफ आईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएं।

बैराड़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अंतर्राज्यीय ठग गैंग का पर्दाफाश- महिलाओं से ठगी करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी। बैराड़ थाना पुलिस ने महिलाओं को झांसा देकर उनके सोने के आभूषण हड़पने वाले अंतर्राज्यीय ठग गिरोह के 2 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से 2 जोड़ी सोने के बाला एवं ठगी में प्रयुक्त बलेनो कार सहित कुल 5 लाख 10 हजार रुपए का मशरूका बरामद किया गया है।

बैराड़ टीआई रविशंकर कौशल के अनुसार, 6 अक्टूबर 2025 को फरियादिया कल्लो पति माखन यादव उम्र 27 वर्ष निवासी बेहरदा ने बैराड़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ककरई रोड पर अपनी मौसी सास लीला यादव व उनकी बहू सिया यादव के साथ बैठी थी। शाम करीब 5-30 बजे दो अज्ञात व्यक्ति बाबा के वेश में स्लेटी रंग की कार से आए। उन्होंने महिलाओं से कहा कि उनके बच्चे न होने की समस्या दूर कर देंगे, बस सोने के

बाले उतारकर उनकी हथेली पर रखकर कार की परिक्रमा करनी होगी। महिलाएं उनके झांसे में आ गई और अपने सोने के बाले उतारकर दे दिए। आरोपी कार में बैठकर मौके से फरार हो गए। फरियाद पर से बैराड़ थाने में अपराध क्रमांक 378/25 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन, एएसपी संजीव मुले एवं एसडीओपी आनंद राय के मार्गदर्शन में बैराड़ थाना प्रभारी निरीक्षक रविशंकर कौशल को सूचना मिली कि ठगी करने वाले आरोपी पुनः वारदात करने की नीयत से पटेवरी रोड पर खड़े हैं। तत्काल पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपियों को दबोच लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में बलराम नाथ पुत्र महेन्द्र नाथ सपेरा उम्र 24 वर्ष निवासी सपेरा बस्ती ग्राम बसई बुजुर्ग थाना सेरगढ़, जिला मथुरा उ.प्र. एवं सोनू नाथ पुत्र बनवारी नाथ सपेरा उम्र 27 वर्ष निवासी डेहरवाला मंदिर के पास गढ़ी पट्टी, थाना होडल, जिला पलवल हरियाणा हैं। आरोपियों के कब्जे से 2 जोड़ी सोने के बाला मूल्य 1,10,000 रुपए एवं स्लेटी रंग की बलेनो कार एचआर 93 बी 3229 मूल्य 4,00,000 रुपए बरामद की है। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक रविशंकर कौशल, उनि धर्मेन्द्र शिवहरे, सउनि सत्येन्द्र सिंह भदौरिया, प्रआर. सुरेन्द्र भगत, आर. मांगीलाल गुर्जर, लोकेन्द्र सिंह, राजेन्द्र प्रसाद, शोभाराम मीणा, लाल सिंह, म.आर. नेहा शुक्ला, वर्षा जाटव एवं चालक मनीष परिहार की सराहनीय भूमिका रही।

संपादकीय

अदालत के भीतर जूते फेंकने जैसी हरकत, कानून से न्याय दिलाने वाला हिंसा की भाषा में क्यों बोल पड़ा?

सुप्रीम कोर्ट में वकील द्वारा जूता फेंकने की कोशिश ने न्यायिक गरिमा पर प्रश्न खड़ा कर दिया। यह घटना केवल असंयम नहीं, बल्कि सोशल मीडिया के प्रभाव में कानून और विवेक की पतन की चेतावनी है। हैरानी की बात है कि आरोपी ने अपनी मनमानी करने का जो कारण बताया, उससे यह साफ है कि वकील होने के बावजूद उसकी नजर में कानून या न्याय-प्रणाली की कोई अहमियत नहीं है। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन लोगों से संविधान और कानून की रक्षा, उसकी मजबूती के लिए काम करने की उम्मीद की जाती है, वही अपनी कुंठाओं का प्रदर्शन करते हुए सारे नियम-कायदे ताक पर रख दें। सर्वोच्च न्यायालय में सोमवार को प्रधान न्यायाधीश के साथ एक वकील ने जो किया, उससे यह तीखा सवाल उठा है कि ऊंची पढ़ाई-लिखाई करके वकालत का पेशा चुनने वाला एक व्यक्ति कैसे अपने दुराग्रहों की वजह से कानून और न्याय-प्रक्रिया को अपमानित कर सकता है। गौरतलब है कि एक वकील ने कार्यवाही के बीच में ही प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की ओर सिर्फ इसलिए जूता उछालने की कोशिश की कि उसके दिमाग पर सोशल मीडिया पर फैलाई गई कोई बात हावी हो गई थी। सरकार की ओर से हर स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था एक मुद्दा दिखने के बावजूद अदालत के भीतर इसका ढांचा कैसा था कि एक व्यक्ति अपनी मनमानी को लेकर बेखौफ था। गनीमत बस यह रही कि आरोपी की हरकत सीमित थी, वरना वहां कुछ भी हो सकता था। सवाल है कि जिस व्यक्ति के भीतर विवेक इस कदर अनुपस्थित हो गया हो कि वह अदालत में ही प्रधान न्यायाधीश के प्रति आक्रामक हो गया, वह इससे ज्यादा हिंसक नहीं होगा, इस बात की क्या गारंटी है। इस मसले पर सोशल मीडिया पर फैलाई गईं बातों के असर में इस तरह बेलगाम और आक्रामक होना इस बात का भी सूचक है कि ऐसे व्यक्ति का विवेक सामान्य तरीके से काम नहीं कर पा रहा है और वह कानून के तंत्र एवं शासन के बजाय हिंसा का रास्ता अख्तियार करना ज्यादा सही मानता है। शायद यही वजह है कि प्रधान न्यायाधीश ने भले ही उदारता दिखाते हुए आरोपी व्यक्ति के प्रति नरमी बरती, लेकिन सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल ने आरोपी वकील का लाइसेंस जब्त कर उसे निलंबित कर दिया। मगर इस घटना की गंभीरता को समझते हुए ही खुद प्रधानमंत्री सहित अन्य कई बड़े नेताओं ने इसे निंदनीय बताया और चिंता जाहिर की। हैरानी की बात है कि आरोपी ने अपनी मनमानी करने का जो कारण बताया, उससे यह साफ है कि वकील होने के बावजूद उसकी नजर में कानून या न्याय-प्रणाली की कोई अहमियत नहीं है। दरअसल, सोशल मीडिया पर प्रधान न्यायाधीश के एक बयान की मनमानी व्याख्या करके उसे फैलाया गया और उसके प्रभाव में आए लोगों ने इस पर सोचने-समझने या विवेक का उपयोग करने की जरूरत नहीं समझी। आरोपी वकील ने जिस सनातन के कथित अपमान की बात की, क्या वह उसे आक्रामकता और हिंसा का सहारा लेने का संदेश देता है? इस समूचे मामले में सोशल मीडिया की जैसी भूमिका सामने आई, वह भी बेहद चिंताजनक और बहसतलब है। विवाद के संदर्भ में प्रधान न्यायाधीश ने साफ कहा था कि उनकी बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया, लेकिन अफसोसनाक है कि उसी मनमानी से प्रभावित होकर कुछ लोगों ने उनके खिलाफ धारणा बना ली। आजकल सोशल मीडिया पर जिस तरह बिना कुछ सोचे-समझे किसी बात की गलत व्याख्या करने और उसके जरिए व्यापक स्तर पर धारणा बनाने का चलन देखा जा रहा है, उसके घातक नतीजे सामने आ रहे हैं। एक ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, जिसमें विचार, बहस और विवेक के उपयोग की जगह सिमटती जा रही है और आक्रामकता तथा हिंसक मनोवृत्ति का उभार देखा जा रहा है। यह स्थिति देश के लोकतंत्र और कानून के लिहाज से बेहद चिंताजनक है।

साहस से उपजा कानून

समय की परतों से सीख

कुछ वर्ष पूर्व की ही घटना है। बूंदी जिले की दो बहनें, जो अब भी स्कूल जाती थीं, अगली सुबह कक्षा में लौटी तो मांग में सिंदूर और हाथों में चूड़ियां थीं। पिछली रात उनकी शादी कर दी गई थी। अध्यापकों ने तुरंत पहचान लिया, लेकिन स्वीकार किया कि एक बार रस्में पूरी हो जाएं तो रोक पाना असंभव होता है। यही है गांवों में बाल विवाह की कटु सच्चाई- कभी चोरी-छिपे, कभी उत्सवों की आड़ में, ताकि कोई हस्तक्षेप न कर सके। परिवार प्रायः एक साथ कई बेटियों की शादी कर देते हैं और छोटी बहनों को घर पर रोककर रखते हैं, जब तक वे 'ससुराल जाने योग्य' न हो जाएं। परिवार की दृष्टि में यह परंपरा है, परंतु बेटियों के लिए यह उनके स्वप्न और स्वतंत्रता का अवसान है।

हम रोजाना असंख्य लोगों से मिलते हैं, अनगिनत दृश्य देखते हैं और ढेरों बातें सुनते हैं। जीवन हमें हर क्षण नई-नई कहानियां दिखाता है। लेकिन लिखने या कुछ करने की प्रेरणा के लिए अक्सर बस एक पंक्ति, एक क्षण या एक छोटी-सी घटना ही पर्याप्त होती है। ऐसा ही मेरे साथ हुआ, जब इंस्टाग्राम पर मेरी नज़र रुख्माबाई पर लिखी एक छोटी-सी पोस्ट पर पड़ी। यह न कोई शोध था, न कोई लंबा लेख बस उनके साहस पर लिखी कुछ पंक्तियां। लेकिन उन पंक्तियों ने मुझे भीतर तक प्रेरित कर दिया।

यहां थी 11 वर्ष की एक बच्ची, औपनिवेशिक (colonial) भारत में, जिसकी शादी उससे कहीं बड़े पुरुष से कर दी गई थी और उसने थोपे गए जीवन को ठुकरा दिया। जब अदालत ने उसे नसीहत दी कि या तो पति के साथ जाओ या जेल की सजा भुगतो, तब उसने निर्भीक होकर जेल का मार्ग चुना। उसी चयन ने उसे भारत में स्त्रियों की गरिमा की पहली गूंजती हुई आवाज बना दिया। उसकी अवज्ञा ने 1891 के Age of Consent Act को जन्म देने में योगदान दिया। मेरे लिए यह कहानी केवल कानून की नहीं थी यह अदम्य साहस की गाथा थी। उसने यह स्मरण कराया कि अधिकार कभी उपहार में नहीं मिलते, उन्हें संघर्ष और त्याग से अर्जित करना पड़ता है।

बाल विवाह से परे साहस की गाथा

कुछ वर्ष पूर्व की ही घटना है। बूंदी जिले की दो बहनें, जो अब भी स्कूल जाती थीं, अगली सुबह कक्षा में लौटी तो मांग में सिंदूर और हाथों में चूड़ियां थीं। पिछली रात उनकी शादी कर दी गई थी। अध्यापकों ने तुरंत पहचान लिया, लेकिन स्वीकार किया कि एक बार रस्में पूरी हो जाएं तो रोक पाना असंभव होता है। यही है गांवों में बाल विवाह की कटु सच्चाई- कभी चोरी-छिपे, कभी उत्सवों की आड़ में, ताकि कोई हस्तक्षेप न कर सके। परिवार प्रायः एक साथ कई बेटियों की शादी कर देते हैं और छोटी बहनों को घर पर रोककर रखते हैं, जब तक वे 'ससुराल जाने योग्य' न हो जाएं। परिवार की दृष्टि में यह परंपरा है, परंतु बेटियों के लिए यह उनके स्वप्न और स्वतंत्रता का अवसान है।

कानून वर्षों से मौजूद है- बाल विवाह निषेध अधिनियम 18 वर्ष से कम उम्र की शादी को अपराध घोषित करता है। लेकिन 'गौना' जैसी प्रथाएं इस सीमा को धुंधला कर देती हैं। आँकड़े चौंकाते हैं -20 से 24 वर्ष की लगभग हर चौथी भारतीय महिला की शादी 18 वर्ष से पूर्व हो चुकी

थी। राजस्थान तो प्रायः शीर्ष पर रहता है। गरीबी, दहेज का बोझ और 'इज्जत' खोने का भय आज भी माता-पिता को ऐसे निर्णय की ओर धकेलता है। रुख्माबाई की अवज्ञा तो बस आरंभ थी। साहस फिर प्रकट हुआ जब सावित्रीबाई फुले ने गहनों की जगह किताबें उठाई और गालियां, पत्थर और कीचड़ सहते हुए भी लड़कियों को शिक्षा देने निकलीं। जब सरोजिनी नायडू और कस्तूरबा गांधी ने स्वतंत्रता संग्राम में समाज की दीवारें भेद दी। स्वतंत्र भारत में भी वही जज्बा अनवरत रहा। 1990 के दशक में राजस्थान की भंवरी देवी ने बाल विवाह का प्रतिरोध किया। उनकी आवाज भले ही समुदाय ने दबा दी, लेकिन उसी से विशाखा गाइडलाइंस अस्तित्व में आई कार्यस्थल पर यौन उत्पीडन के खिलाफ भारत का पहला ठोस ढांचा। दहेज-विरोधी संशोधन, आईपीसी की धारा 498, निर्भया के बाद आपराधिक संशोधन कानून- ये सब स्त्रियों की पीड़ा और प्रतिरोध की ही उपज हैं। मेरी कॉम जैसी खिलाड़ियों ने वर्ग और लिंग की दीवारें तोड़ी। लक्ष्मी अग्रवाल ने अपने घाव को अभियान बना दिया और एसिड हमलों के खिलाफ कठोर कानून बने। निर्भया कांड ने पूरे राष्ट्र की आत्मा को झकझोर डाला और नए आपराधिक प्रावधान सामने आए। हाल ही में आंदोलन ने दशकों पुरानी चुप्पी तोड़ी। सुप्रीम कोर्ट में महिला अफसरों ने स्थायी कमीशन के लिए मुकदमा जीता और सेना में समानता का नया अध्याय लिखा। हरियाणा की लड़कियों ने सुरक्षित परिवहन की मांग कर अपनी शिक्षा बचाई। दिशा रवि जैसी जलवायु कार्यकर्ताओं ने यह दिखाया कि साहस अब केवल लिंग का प्रश्न नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और असहमति का भी है। भारत से परे, रोजा पार्क्स का बस में सीट न छोड़ना 1955 में अमेरिकी नागरिक अधिकार आंदोलन का शंखनाद था। मलाला यूसुफजई गोली खाने के बाद भी शिक्षा की आवाज बनीं। यह सब कहानियाँ साबित करती हैं कि साहस की कोई सीमा या सरहद नहीं होती यह परिवर्तन की सार्वभौमिक भाषा है।

हम कितनी दूर आ गए है

इन गाथाओं से स्पष्ट है कि साहस ने महिलाओं के लिए सुरक्षा का दायरा केवल बाल विवाह तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि उससे कहीं आगे बढ़ा दिया है। आज हमारे पास शिक्षा का अधिकार है, घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न से सुरक्षा के प्रावधान हैं, कार्यस्थलों पर आंतरिक शिकायत समितियों की अनिवार्यता है, एसिड की बिक्री पर नियंत्रण है, और सहमति को व्यक्तिगत गरिमा का केंद्रीय स्तंभ मानने वाले कानून मौजूद हैं। फिर भी आंकड़े हमें यह याद दिलाते हैं कि चुनौतियां अब भी शेष हैं। वर्ष 2022 में ही महिलाओं के विरुद्ध 4,45,000 से अधिक अपराध दर्ज हुए- यानी हर घंटे लगभग 51 मामले। इनमें से सबसे अधिक 31.4 प्रतिशत मामले पत्ति अथवा रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के थे, 19.2 प्रतिशत अपहरण से जुड़े, 18.7 प्रतिशत शील भंग के प्रयास से और 7.1 प्रतिशत बलात्कार से। ये संख्याएं न केवल चिंता उत्पन्न करती हैं, बल्कि यह भी दर्शाती हैं कि अब महिलाएं चुप्पी तोड़कर आवाज उठा रही हैं और अपराध अदृश्य नहीं रह पा रहे। राजस्थान जैसे प्रदेश अब भी उच्च आंकड़ों में गिने जाते हैं, जिससे स्थानीय सरकारों और समाज दोनों पर कार्यवाही का दबाव बढ़ा है। सकारात्मक पक्ष यह है कि प्रवर्तन तंत्र भी बदल रहा है। 790 फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों (जिनमें से 408 पॉक्सो अदालतें हैं) की स्थापना हुई है और इनमें अब तक 2,87,000 से अधिक मामलों का निस्तारण किया जा चुका है। बड़े शहरों में सेफ सिटी प्रोजेक्ट्स शुरू हुए हैं ताकि सार्वजनिक स्थानों को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाया जा सके। डिजिटल माध्यमों पर महिला हेल्पलाइन और शिकायत पोर्टल भी सक्रिय हैं। यह सब मिलकर दिखाता है कि अब तंत्र विरोध में नहीं, बल्कि समर्थन में खड़ा है। रुख्माबाई के समय अदालत ने उसकी गरिमा को रौंदते हुए जेल की धमकी दी थी। आज वही न्याय-व्यवस्था महिला की सुरक्षा और गरिमा की रक्षक बन गई है। यह परिवर्तन केवल कानूनी बदलाव नहीं, बल्कि समाज के दृष्टिकोण में भी क्रांतिकारी बदलाव का संकेत है। अब संघर्ष केवल अस्तित्व का नहीं, बल्कि समानता और आत्मसम्मान का है। यही बदलाव गहरा और निर्णायक है।

अनकहा सफर

जब मैं इन सभी यात्राओं पर विचार करती हूं, तो यह सूत्र स्पष्ट दिखाई देता है- कानून ने कभी स्वयं बदलना नहीं सीखा। इसे हमेशा उन लोगों ने आगे बढ़ाया जिन्होंने अन्याय का सामना करने का साहस दिखाया। रुख्माचाई का बाल विवाह से इंकार, सावित्रीबाई फुले का शिक्षा के लिए संघर्ष, भंवरी देवी का गांव में अकेले खड़ा होना, या दिल्ली की अदालत में निर्भया की माँ का न्याय की माँग करना- हर साहसी कदम ने व्यवस्था को आगे बढ़ने के लिए बाध्य किया। कभी-कभी इन साहस की कहानियों को लिखते हुए मेरे भीतर एक विचित्र द्वंद्व पैदा होता है। मैं रुख्माबाई की प्रशंसा करती हूं कि उन्होंने उस समय अपनी सच्चाई कही जब स्वयं कानून उनके विरुद्ध खड़ा था। उनमें अपनी कहानी निर्भीक होकर कहने की शक्ति थी। 'बड़ी अजीब बात है... मैं लिख तो रही हूं, पर अपनी कहानी लिखने की हिम्मत अब तक नहीं जुटा पाई।' शायद यही स्मरण भी है कि समय अवश्य बदला है, पर पूर्णतः नहीं। साहस आज भी आसान नहीं है। चुप्पी अब भी अधिक सुरक्षित है। और शायद यही कारण है कि रुख्माबाई की कहानी आज और भी महत्वपूर्ण हो जाती है- क्योंकि वह हमें दिखाती है कि हमें क्या बनना चाहिए, भले ही हम अभी वहां तक न पहुंचे हों। यह कोई कठोर वक्तव्य नहीं, बस एक छोटा-सा विचार है, जो मुझे रुख्माचाई और उन अनेक स्त्रियों की कहानियां पढ़ते समय आया जिन्होंने अपने स्थान से डटकर संघर्ष किया। मेरा उद्देश्य किसी की आस्था या भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं, बल्कि केवल यह याद दिलाना है कि जो सही है, उसे सही कहा जाए और जो गलत है, उसे गलत स्वीकार किया जाए। यदि ये शब्द उन कुछ लोगों तक पहुंच सकें जो अब भी अपनी सच्चाई कहने की हिम्मत खोज रहे हैं, तो शायद उन्हें यह सांत्वना मिले कि वे अकेले नहीं हैं। अतीत की कहानियां हमें बोझ देने के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शन करने के लिए होती हैं। और यदि वे हमें कुछ सिखाती हैं, तो यही खड़ा होना कभी आसान नहीं होता, किंतु सदैव उचित होता है।

प्रो. प्रियंका बोराना

उम्र की ढलती सांझ में

विजय गर्ग

भारतीय संस्कृति में बुजुगों को अनुभवों का खजाना माना जाता रहा है, मगर चिंताजनक है कि बुजुर्ग अब परिजनों और समाज की उपेक्षा, दुर्व्यवहार सहित कई तरह की समस्याएं झेलने को विवश हैं। भारतीय समाज में सदा सयुंक्त परिवार को अहमियत दी जाती रही है, जहां बुजुगों का स्थान सर्वोपरि रहा है, मगर अब एकल परिवारों के बढ़ते चलन के कारण बुजुर्गों की उपेक्षा बढ़ रही है। दरअसल, समाज में अपनी हैसियत बड़ी दिखाने की चाहत में कुछ लोगों को अपने ही परिवार के बुजुर्ग मार्ग की बड़ी रुकावट लगने लगते हैं। ऐसे लोगों को सामाजिक तौर पर अपनी खुशियों में बुजुगों को शामिल करना शान के खिलाफ लगता है। ऐसी ही रूढ़िवादी सोच के कारण उच्च वर्ग से लेकर मध्यवर्ग तक में अब वृद्धजनों के प्रति स्नेह की भावना कम हो रही है। एक गैर-सरकारी संस्था की रपट के अनुसार भारत में 47 फीसद आर्थिक रूप से अपने परिवारों पर निर्भर हैं, 34 फीसद पेंशन और नकद हस्तांतरण पर निर्भर हैं, जबकि सर्वेक्षण में 40 फीसद लोगों ने यथासंभव काम करने की इच्छा व्यक्त की। सर्वेक्षण में यह बात भी सामने आई कि 71 फीसद वरिष्ठ नागरिक काम नहीं कर रहे थे, जबकि 36 फीसद काम करने को तैयार थे। यही नहीं, 30 फीसद से ज्यादा बुजुर्ग तो विभिन्न सामाजिक कार्यों के लिए स्वेच्छा से अपना समय देने को तैयार थे, जिससे स्पष्ट है कि अगर पुरानी पीढ़ी की ऊर्जा को पर्याप्त अवसर मिले तो भारत की आर्थिक और सामाजिक तस्वीर उज्ज्वल हो सकती है। एक गैर-सरकारी संगठन की रपट के अनुसार 2022 तक दुनिया में वरिष्ठ नागरिकों की आबादी 110 करोड़ और कुल आबादी की लगभग 14 प्रतिशत थी। 2050 तक यह आबादी बढ़कर 210 करोड़ और कुल आबादी की लगभग 22 प्रतिशत होने की संभावना है। एशिया में बुजुर्ग आबादी 2050 तक 130 करोड़ हो जाएगी। भारत में वरिष्ठ नागरिकों की आबादी अभी करीब 14.9 करोड़ है और एक रपट के मुताबिक 2026 तक यह 17 करोड़, 2036 तक 23 करोड़ तथा 2050 तक 35 करोड़ यानी कुल आबादी की 20 फीसद से भी ज्यादा होने का अनुमान है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुमान के मुताबिक 2036 तक दक्षिण भारत के राज्यों में हर पांचवां व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में होगा। बुजुर्ग आबादी में यह बढ़ोतरी निश्चित रूप से समाज और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालेगी। ऐसे में वर्तमान और भविष्य की पीढ़ी की उचित देखभाल के लिए उचित प्राथमिकताएं निर्धारित करना सरकार की जिम्मेदारी है। त्र हेल्प एज इंडियात्र की नवीनतम रपट त्रवीमेन एंड एजिंग इनविजिबल आर एंपावर्ड ?त्र में मई से जून 2023 के दौरान 60-90 वर्ष की आयु वर्ग की 7911 महिलाओं को इस सर्वेक्षण में शामिल किया गया। संगठन ने विभिन्न सामाजिक- आर्थिक श्रेणियों को शामिल करते हुए बीस राज्यों, दो केंद्रशासित प्रदेशों और पांच महानगरों में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के प्रतिभागियों के बीच यह सर्वेक्षण किया और रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि सोलह प्रतिशत वृद्ध महिलाओं को दुव्यवहार का सामना करना पड़ा, जिनमें से करीब पचास फीसद महिलाओं को शारीरिक हिंसा और छियालीस फीसद बुजुर्ग महिलाओं को अपमान झेलना पड़ा। चालीस फीसद प्रतिभागियों को भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक शोषण का सामना करना पड़ा। सर्वेक्षण में शामिल कुल चालीस फीसद महिलाओं ने अपने बेटों को दोषी ठहराया, जबकि इकतीस फीसद ने अपने रिश्तेदारों और सताईस फीसद ने अपनी बहुओं को जिम्मेदार बताया। रपट में यह खुलासा भी हुआ कि दुर्व्यवहार के बावजूद अधिकांश बुजुर्ग महिलाओं ने डर के कारण पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी। एक बेहतर भविष्य के लिए हम अपनी अगली पीढ़ी को निधि समझते हुए उसकी बेहतर परवरिश में कोई कमी नहीं छोड़ते। मगर तमाम जिम्मेदारियां निभाते निभाते जब उम्र ढलने लगती और व्यक्ति शारीरिक तथा वित्तीय स्तर पर कमजोर होने लगता है, तो कई बार वह परिवार और समाज की उपेक्षा का शिकार होने लगता है। भले बड़े गर्व के साथ यह कहा जाता है कि भारत की सत्तर फीसद आबादी नौजवानों की है, जो देश के लिए एक बड़ी पूंजी है, लेकिन यहां चिंता का विषय यह भी है कि क्या यह आबादी हमेशा युवा बनी रहेगी ? उम्र बढ़ना जीवन की नियति है, जिससे हर किसी को गुजरना पड़ता है। विभिन्न शोधों के अनुसार साठ वर्ष तथा उससे ज्यादा उम्र में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, फेफड़ों की बीमारी, हृदय रोग आदि कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बढ़ती उम्र और घटती प्रतिरोधक क्षमता बीमारियों का एक प्रमुख कारक है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की त्र बुजुर्गों की स्वास्थ्य समस्याएं त्र नामक एक रपट में बताया गया है कि 25 फीसद भारतीय बुजुर्ग अवसाद में जी रहे हैं, 33 फीसद गठिया या हड्डी के रोग से ग्रस्त हैं, 40 फीसद को रक्ताल्पता है, गांवों में 10 और शहरों में 40 फीसद को मधुमेह है, 10 फीसद कम सुनने संबंधी समस्या से गुजर रहे हैं। गांवों में 33 फीसद तो शहरों में 50 फीसद को हाइपरटेंशन है, करीब 50 फीसद की नजर कमजोर है, 10 फीसद भारतीय बुजुर्ग कहीं न कहीं गिरकर अपनी कोई न कोई हड़ी तुड़वा बैठते हैं, तो 33 फीसद पाचन तंत्र के विकार से जूझ रहे हैं। पीढ़ी अंतराल और जीवन-शैली में बदलाव के कारण बुजुर्ग व्यक्ति खुद अलगाव और असुरक्षा महसूस कर रहे हैं। आर्थिक साम्राज्यवाद, भूमंडलीकरण, उदारीकरण और बढ़ते उद्योगीकरण ने भी आज बुजुगों को हाशिये पर धकेलने का काम किया है टूटते संयुक्त परिवारों के कारण घर के बड़े बुजुर्ग एकाकी जीवन जीने पर मजबूर हो गए हैं। जिस घर में बुजुगों का सम्मान होता है, वह घर स्वर्ग से भी सुंदर माना जाता है। इसके बावजूद बहुत से परिवारों में बुजुगों को निरंतर अपने ही परिजनों की उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है ऐसे परिजनों को इस बात का आभास कराया जाना बेहद जरूरी है कि आज के युवा भी आने वाले समय में वृद्ध होंगे जीवन में हम आज जो भी हैं, अपने घर के बुजुगों की बदौलत ही हैं, जिनके व्यापक अनुभवों और शिक्षाओं से हम जीवन में सभी प्रकार की कठिनाइयों को पार करने में सक्षम होते हैं। ऐसे में अगर बुजुगों को अपनापन और उचित मान-सम्मान दिया जाए, उनकी पसंद- नापसंद का खयाल रखा जाए, तो वे घर के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण सिद्ध होते हैं। उम्र की ढलती सांझ में न केवल परिवार के सदस्यों, बल्कि समाज को भी उपेक्षित करने के बजाय उनका संबल बनने का प्रयास करना चाहिए।

कहानी: मां का घर

ऐसे में एक लाचार मां को अपने पास न रखने का विचार कितना गलत है। माना मेरा बड़ा भाई मां को अपने साथ य नहीं रखना चाहता, तो क्या मेरा यह फर्ज नहीं बनता कि मैं मां को प्रेम से अपने पास रखूं। मां को अपने पास रख लेने से मेरा कौन सा खजाना खाली हो जाएगा। ये तो प्रेम की बात है, श्रद्धा की बात है। फिर ये ईर्ष्या कहां से आ गई थी मेरे मन में। दिनेश पुरानी यादों में खो गया मां बड़े भैया के घर जाने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थी, , फिर र भी संजू के दबाव में आकर मैंने मां को भैया के घर भेज दिया।

विजय गर्ग

'संजू ओ संजू, देखो तो तुम्हारा लाडला तुम्हारे लिए कितना रो रहा है।' दिनेश ने ड्राइंग रूम से ही आवाज लगाई। ओफ हो। तुम भी न बाथरूम में थी। चैन से कुछ भी नहीं कर सकती। अभी जनाब को मेरी जरूरत है, इसलिए रो रहे हैं मेरे लिए। जब इन्हें मेरी जरूरत नहीं होगी तो साहबजादे पूछेंगे भी नहीं। तब मां की याद कहां आएगी। संजू बाथरूम से निकल कर नैपकीन से हाथ पोंछते हुए सहज भाव से बोली। दिनेश, संजू की बात सुनकर एकदम से संजीदा हो गया। उसके सामने उसकी मां का लाचार चेहरा घूम गया। उसके माता-पिता ने भी तो इतने ही कष्ट उठाए होंगे न पिताजी की पंद्रह हजार की निजी नौकरी थी। ओवरटाइम कर थके हुए पिता का चेहरा उसके सामने घूम गया उतनी कम तनख्वाह में पिताजी ने चार जनों के परिवार को कितने कष्ट पाला होगा, ये वही जानते होंगे। पिताजी के परलोक सिधारने बाद मां कितनी अकेली और लाचार गई है। ऐसे में एक लाचार मां को अपने पास न रखने का विचार कितना गलत है। माना मेरा बड़ा भाई मां को अपने साथ य नहीं रखना चाहता, तो क्या मेरा यह फर्ज नहीं बनता कि मैं मां को प्रेम से अपने पास रखूं। मां को अपने पास रख लेने से मेरा कौन सा खजाना खाली हो जाएगा। ये तो प्रेम की बात है,

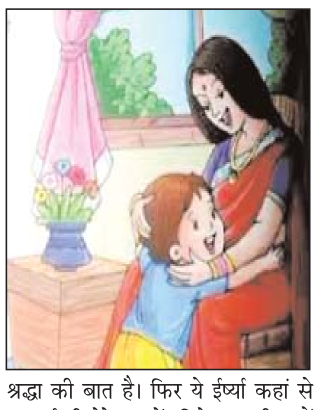

श्रद्धा की बात है। फिर ये ईर्ष्या कहां से आ गई थी मेरे मन में। दिनेश पुरानी यादों में खो गया मां बड़े भैया के घर जाने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थी, , फिर र भी संजू के दबाव में आकर मैंने मां को भैया के घर भेज दिया। । एक बार र फोन करके मां का हाल ले लेता हूं। सोचते हुए वह अपने भैया को फोन लगाने लगा। फोन करते देख संजू ने कहा, मां को फिर से अपने पास रखने का इरादा है क्या? मैं नहीं रखने वाली तुम्हारी मां को काम-धाम तो कुछ करती नहीं, ऊपर से काम बढ़ा देती हैं। संजू खीज भरे स्वर में बोली संजू ये मत भूलो कि बुढ़ापा हम पर भी आएगा। अगर हमारे बच्चे भी हमारे साथ ऐसा ही सलूक करें तो हमें कैसा लगेगा। दिनेश बोला। जो भी हो, मां को रखने की जिम्मेदारी केवल हमारी है क्या। उनके एक बेटा बहू और भी तो है। अरे हमारे पास तो इतनी आमदनी भी नहीं है, उस पर पांच प्राणियों का खर्च उनको भी रखकर हम और कष्ट उठाना नहीं चाहते। हर महीने हजारों रुपए तो उनकी दवाई में खर्च हो जाते थे। संजू चिढ़कर बोली । ! बस भी करो मां पर कितने पैसे खर्च होते थे, बड़ा हिसाब रखा है तुमने। कोई भी मां-बाप अपने बच्चों की परवरिश कितने मुश्किल से करते हैं यह अहसास तुम्हें मां बनने के बाद भी नहीं हुआ। दिनेश क्रोध से तमतमा कर बोला। दिनेश के सामने अपनी मां का लाचार चेहरा घूम रहा था संजू मैं कहां जाऊंगी बेटा ? रमेश की बीवी तो मुझे फूटी आंख भी देखना नहीं चाहती। मेरे पति नहीं रहे, और तुम लोग भी मेरा साथ छोड़ दोगे तो मैं बूढ़ी कहां-कहां धक्के खाती फिरूंगी। जाते समय मां बुरी तरह गिड़गिड़ा रही थी। अब मैं क्या करूं मां ? तुम्हारी और संजू के बीच पटती ही नहीं है और फिर मेरी आमदनी भी इतनी नहीं है कि तुम्हारी दवाइयों का खर्च उठा सकूं। दिनेश थोड़ा सकुचाते हुए बोला वाह बेटा हमने तुम दोनों भाइयों को कितने कष्ट से पाला। खुद तकलीफ सहे, पर तुम दोनों भाइयों को कोई तकलीफ नहीं होने दी और आज मुझ अकेली का खर्च उठाने की ताकत तुम दोनों भाइयों में से किसी को नहीं है, अब तुम्हें मां नहीं पत्नी की जरूरत है।

रायबरेली में दलित की पीट-पीटकर हत्या, पत्नी और बेटी से मिलने के लिए जा रहा था ससुराल, सवालों में कानून का राज

उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक दलित व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर देने की घटना भयावह और मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली है। इस पूरे प्रकरण में जिस तरह की मानसिकता सामने आई है, उसे किसी भी सभ्य समाज में संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा। भले ही इस मामले में मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है, लेकिन सरकार के सामाजिक समानता के दावों और राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

रायबरेली में दलित व्यक्ति की हत्या ने कानून व्यवस्था और पुलिस की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसे में पीड़ित परिवार को कौन दिलाएगा न्याय?

उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक दलित व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर देने की घटना भयावह और मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली है। इस पूरे प्रकरण में जिस तरह की मानसिकता सामने आई है, उसे किसी भी सभ्य समाज में संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा। भले ही इस मामले में मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है, लेकिन सरकार के सामाजिक समानता के दावों और राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दावा किया जा रहा है कि घटना के वक्त कुछ पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि पुलिस की मौजूदगी में इस वारदात को कैसे अंजाम दिया गया? क्या वजह रही कि आरोपियों को पुलिस और कानून का जरा भी खौफ नहीं रहा? क्या अपराध पर काबू पाने के सरकारी दावों की हकीकत यही है? पुलिस के मुताबिक, जिस व्यक्ति की

बर्बर तरीके से हत्या की गई, वह घटना वाली रात अपनी पत्नी और बेटी से मिलने के लिए पैदल ससुराल जा रहा था। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने उसे चोर समझ कर पकड़ लिया। जब वह लोगों के सवालों का जवाब ठीक से नहीं दे पाया तो बर्बरता से पिटाई करने के बाद उसे रेलवे स्टेशन तक घसीटकर ले जाया गया और गंभीर हालत में वहीं छोड़ दिया गया, जिस कारण उसकी मौत हो गई। ऐसे में सवाल है कि अगर स्थानीय लोगों को उस व्यक्ति पर कोई संदेह था, तो उसे पकड़कर पुलिस के हवाले क्यों नहीं किया गया? कानून अपने हाथ में लेकर ऐसी बर्बरता करने का अधिकार उन्हें किसने दिया? और अगर पुलिसकर्मी घटनास्थल पर मौजूद थे, तो वे मूकदर्शक बनकर क्यों खड़े रहे? यह घटना राज्य सरकार के उस दावे को भी झुठलाती नजर आती है कि प्रदेश में अब कानून का राज है। इस राज में समाज के दमित-वंचित तबके के लोगों की क्या जगह है? संविधान और कानून हर नागरिक की सुरक्षा, उसके अधिकार और अभिव्यक्ति को समान दर्जा देता है। इसलिए जरूरी है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

आईसीसी रैंकिंग जारी-बुमराह नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज, सिराज 12वें स्थान पर

नई दिल्ली। आईसीसी ने बुधवार को अपनी ताजा रैंकिंग जारी की। टेस्ट बॉलर्स की रैंकिंग में मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव जैसे भारतीय गेंदबाजों को फायदा हुआ है, जबकि जसप्रीत बुमराह ने अपनी टॉप पोजिशन कायम रखी है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में 7 विकेट लेने वाले मोहम्मद सिराज करियर बेस्ट 12वीं रैंक पर आ गए हैं। उनके 718 रेटिंग पॉइंट्स हैं। स्पिनर कुलदीप यादव को 7 स्थान का फायदा हुआ है। वे 644 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 21वें स्थान पर हैं।

जायसवाल को नुकसान, राहुल को 4 स्थान का फायदा

भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को बैटर्स की रैंकिंग में 2 पायदान का नुकसान हुआ है। वे 779 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 7वें स्थान पर आ गए हैं। जायसवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में खेली गई इकलौती पारी में 36 रन ही बना सके थे।

एक अन्य भारतीय ओपनर केएल राहुल को 4 स्थानों का फायदा हुआ है। वे 606 अंक के साथ 35वें स्थन पर आ गए हैं। राहुल ने कैरेबियाई टीम के खिलाफ 100 रन की शतकीय पारी खेली थी। नाबाद 104 रन की पारी खेलने वाले रवींद्र जडेजा 644 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 25वें स्थान पर आ गए हैं। उन्हें 6 पायदान का फायदा हुआ है। यह जडेजा की करियर बेस्ट रैंकिंग है। इस सूची में भारतीय कप्तान शुभमन गिल 13वें स्थान पर यथावत हैं।

राशिद खान टी-20 के नंबर-2 गेंदबाज, वरुण टॉप पर

अफगानिस्तानी स्पिनर राशिद खान को टी-20 बॉलर्स की रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। वे 6 स्थानों की छलांग के साथ नंबर-2 पर आ गए हैं। राशिद के 710 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वे वरुण चक्रवर्ती से पीछे हैं।

इंडिया अंडर-19 ने ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट से हराया, सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप

नई दिल्ली। इंडिया अंडर-19 ने दूसरे यूथ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट से हरा दिया है। ऑस्ट्रेलिया टीम पहली पारी में 135 रन पर ऑल आउट हो गई। जबकि भारतीय टीम ने 171 रनों का स्कोर खड़ा किया।

भारतीय टीम 36 रनों की बढ़त हासिल करने में सफल रही। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 116 रन ही बना सकी। जीत के लिए 81 रनों का लक्ष्य मिला। जिसे महज 12.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। वेदांत त्रिवेदी 33 और राहुल कुमार 13 रन बनाकर नाबाद रहे।

इस तरह दूसरा यूथ टेस्ट 2 दिन के भीतर खत्म हो गया। ऑस्ट्रेलिया को 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा जबकि भारतीय टीम ने लगातार 5वीं जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे का समापन किया। इससे पहले भारतीय टीम ने 3 मैचों की ह्रष्ठढ्ढ सीरीज 3-0 से अपने नाम की थी।

खेनिल पटेल ने 6 विकेट लिए इस मुकाबले में भारत के लिए खेनिल पटेल हीरो रहे जिन्होंने कुल 6 विकेट इस मैच में झटके। दोनों पारियों में 3-3 विकेट उन्होंने अपने नाम किए। वहीं पहली पारी में भारत को बढ़त दिलाने में अपने 22 रनों से अहम योगदान भी दिया।

वैभव सूर्यवंशी ने पहले टेस्ट में शतक जड़ा था वैभव सूर्यवंशी ने इस पूरे दौरे पर कई अच्छी पारियां खेली हैं। उन्होंने वनडे सीरीज के तीनों मैचों में 38, 70 और 16 रन की पारियां खेली थीं।

वहीं पहले यूथ टेस्ट में उन्होंने 113 रन बनाए थे और भारत की पारी से जीत में अहम योगदान निभाया था। फिर दूसरे यूथ टेस्ट में उनका प्रफॉरमेंस खास नहीं रहा और वह 20 और 0 का ही योगदान कर पाए। पूरे दौरे पर 14 साल के बल्लेबाज ने अपने टी-20 वाले अंदाज को जारी रखा है। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आयुष म्हात्रे ने पूरे दौरे पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया।

रेसलर अमन सहरावत एक साल के लिए बैन वर्ल्ड चैंपियनशिप में वजन ज्यादा निकला था

नई दिल्ली। रेसलर अमन सहरावत पर एक साल का बैन लगाया गया है। पेरिस ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले प्लेयर पर फेडरेशन ऑफ इंडिया ने प्रतिबंध लगाया है। अमन पर बैन सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में ओवरवेट होने के कारण लगा है।

22 साल के अमन क्रोएशिया में 13 से 21 सितंबर के बीच हुई सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कैटेगरी में भारत की ओर से उतरने वाले थे। लेकिन उनका वजन 1.7 किलोग्राम ज्यादा था। इस कारण उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया था।

डबलूएफआई अमन के जवाब से नाखुश रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 23 सितंबर को अमन को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। साथ ही 29 सितंबर तक जवाब भी मांगा था। अमन ने अपना जवाब दिया, लेकिन फेडरेशन की अनुशासन समिति ने उसे असंतोषजनक माना। इसके बाद फेडरेशन ने एक साल का प्रतिबंध लगाने का फैसला किया।

इसके अलावा, अमन के मुख्य कोच जगमंदर सिंह और उनके कोचिंग स्टाफ के अन्य तीन सदस्यों, विनोद, वीरेंद्र और नरेंद्र से भी वजन प्रबंधन की निगरानी में गलती हुई थी। फेडरेशन का कहना है कि कोचिंग स्टाफ ने भी खिलाड़ी के वजन की निगरानी में लापरवाही बरती थी।

ङ्ख स्नढ्ढ ने कहा कि अमन जैसे ओलिंपिक मेडल विजेता से प्रोफेशनलिज्म और अनुशासन की उम्मीद की जाती है। वजन नाप में असफल होना खेल के अनुशासन और तैयारी की कमी को दिखाता है।

वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में भारत को केवल एक मेडल मिला इस वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत की ओर से सिर्फ अंतिम पंघाल को पदक मिला। उन्होंने महिलाओं की 53 किग्रा कैटेगरी में ब्रॉन्ज जीता।

अगर खिलाड़ियों के दिल में सच्चा जुनून हो तो वे टेस्ट क्रिकेट में अपनी जगह फिर से बना सकते है : ब्रायन लारा

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने वेस्टइंडीज क्रिकेट के भविष्य को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि भले ही वेस्टइंडीज टीम प्रतिभा पलायन, कमज़ोर बुनियादी ढांचे और वित्तीय अस्थिरता जैसी पुरानी समस्याओं से जूझ रही हो, लेकिन अगर खिलाड़ियों के दिल में सच्चा जुनून हो तो वे टेस्ट क्रिकेट में अपनी जगह फिर से बना सकते हैं।

सीएट क्रिकेट रेटिंग अवॉर्ड्स के दौरान लारा ने कहा, %मैं रोस्टन चेस और बाकी खिलाड़ियों से पूछना चाहूंगा- क्या उनके दिल में क्रिकेट है? क्या वे सच में वेस्टइंडीज के लिए खेलना चाहते हैं? अगर हां, तो कोई न कोई रास्ता जरूर निकल आएगा।%

हमारे समय सुविधाएं नहीं थीं, पर जुनून था

लारा ने अपने दौर की चुनौतियों को याद करते हुए कहा कि अतीत में भी सुविधाएं बेहतर नहीं थीं, लेकिन खिलाड़ियों में देश के लिए खेलने का अलग ही जोश था। उन्होंने कहा, %हमारे पास भी 30-40 साल पहले बेहतर सुविधाएं नहीं थीं। विव रिचर्ड्स ने कभी शानदार पिच पर बल्लेबाजी नहीं की थी। हमें भी वही मेहनत करनी पड़ती थी, लेकिन फर्क था हमारे जज्बे में। वेस्टइंडीज के लिए खेलने का जुनून बहुत गहरा था।% टेस्ट क्रिकेट में रिकॉर्ड 400 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलने वाले लारा ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को समझना होगा कि टेस्ट क्रिकेट उनके करियर के लिए एक शानदार अवसर है।

टेस्ट क्रिकेट में घटती दिलचस्पी चिंता की बात

ब्रायन लारा ने विश्व स्तर पर टेस्ट क्रिकेट में घटती दर्शक रुचि पर भी चिंता व्यक्त की, खासतौर पर 'बिग थ्री' (भारत, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया) के बाहर होने वाले मुकाबलों को लेकर। उन्होंने कहा, %जब आप बिग थ्री की बात करते हैं, तो एशेज या भारत के मैचों में भारी भीड़ दिखती है। लेकिन वेस्टइंडीज में टेस्ट क्रिकेट को लेकर दिलचस्पी घट रही है। अहमदाबाद में भी हमने देखा कि दर्शक बहुत कम थे। यह स्थिति वाकई चिंताजनक है।% लारा ने यह भी कहा कि उन्हें गर्व है कि उन्होंने अपने 17 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में हमेशा टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता दी।

बिजनेस समाचार...

सितंबर 2025 में खुदरा महंगाई 1.2% के करीब रहने का अनुमान, बीओबी की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। हेडलाइन इनफ्लेशन सितंबर 2025 में और घट सकती है और खुदार महंगाई 1.2 प्रतिशत के करीब रहने का अनुमान है। बैंक ऑफ बड़ौदा की ताजा रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह राहत खाद्य पदार्थों की लगातार गिरती कीमतों के कारण है। इसमें कहा गया है कि आवश्यक वस्तुओं में लगातार मंदी और टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में तेज सुधार महंगाई को नियंत्रित करने में मदद कर रहा है।

बीओबी ईसीआई में लगातार पांचवें महीने मंदी रही

बैंक ऑफ बड़ौदा एसेन्शियल कमोडिटीज इंडेक्स लगातार पांचवें महीने मंदी में रहा। सितंबर में यह साल-दर-साल एक प्रतिशत घटा, जबकि अक्तूबर के पहले छह दिनों में 3.8 प्रतिशत की तेज गिरावट दर्ज की गई। महीने-दर-महीने सूचकांक में भी 0.3 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। यह प्रमुख खाद्य समूहों में कीमतों के दबाव में कमी को दर्शाता है।

टीओपी सब्जियों की कीमतों में गिरावट

टमाटर की खुदरा कीमतें सितंबर में 8.3 प्रतिशत घटीं, जबकि प्याज और आलू में क्रमशः 46.2 प्रतिशत और 30.9 प्रतिशत की गिरावट आई। यह गिरावट बढ़ी हुई आपूर्ति और प्रभावी प्रबंधन के चलते संभव हुई। वित्त वर्ष 2026 में टीओपी सब्जियों की कुल आपूर्ति 10.3 प्रतिशत बढ़ी, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 15.4 प्रतिशत घट गई थी।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वैश्विक खाद्य कीमतों में नरमी और ऑटोमोबाइल, स्नस्ष्टत्र कंपनियों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म द्वारा जीएसटी दरों में कटौती का फायदा उपभोक्ताओं तक पहुंचाने से महंगाई पर दबाव कम हुआ है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अनुमान जताया है कि 5 में हेडलाइन सीपीआई भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान से कम रह सकता है।

केवल 18% निवेशकों को वित्तीय टीवी चैनलों पर भरोसा डिजिटल प्लेटफॉर्म और एसआईपी की बढ़ रही लोकप्रियता

नई दिल्ली। भारत में केवल 18 प्रतिशत निवेशक फाइनेंस की समज के लिए वित्त टेलीविजन चैनलों पर भरोसा करते हैं। मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड (एमओएमएफ) के पैसिव सर्वे 2025 के तीसरे संस्करण में यह जानकारी दी गई है। अगस्त-सितंबर 2025 में हुए इस सर्वे में 3000 निवेशकों और 120 डिस्ट्रीब्यूटर सहित देशभर के म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर, पंजीकृत निवेश सलाहकार (आरआईए) और धन प्रबंधक भी इसमें शामिल थे।

क्या कहते हैं आंकड़े?

इसमें कहा गया है कि यह संरचनात्मक बदलाव को दर्शाता है- निवेशक क्विक, सोशल मीडिया-संचालित सामग्री से अधिक विशिष्ट, विश्वसनीय वित्तीय पोर्टलों की ओर जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार 52 प्रतिशत निवेशक निवेश संबंधी जानकारी के लिए वित्तीय वेबसाइटों और ऑनलाइन प्लेटफार्मों का सहारा लेते हैं। वहीं 38 प्रतिशत समाचार पत्र और न्यूजलेटर पढ़ते हैं। कुछ ने दो से ज्यादा प्लेटफार्मों का इस्तेमाल करने की बात भी कही। लगभग 29 प्रतिशत लोग वित्त संबंधी अपडेट के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं।

एसआईपी सबसे पसंदीद निवेश माध्यम

सर्वेक्षण में आगे बताया गया है कि व्यवस्थित निवेश योजनाएं (एसआईपी) अनुशासित धन सृजन के लिए एक पसंदीदा माध्यम बनी हुई हैं। निवेशक लगातार बाजार भागीदारी और रणनीतिक अवसरों की तलाश में एसआईपी को एकमुश्त निवेश के साथ जोड़ रहे हैं।

एसआईपी और एकमुश्त निवेश की भागीदारी अब कुल भागीदारी का 57 प्रतिशत है। इसके बाद एकल एसआईपी की भागीदारी 26 प्रतिशत व केवल एकमुश्त निवेश की भागीदारी 17 प्रतिशत है। स्मार्ट बीटा रणनीतियों में भी रुचि बढ़ी है। 61 प्रतिशत निष्क्रिय फंड निवेशक अब ऐसे विभेदित कारक-आधारित फंडों की खोज कर रहे हैं।

पैसिव फंड मुख्यधारा बन रहे हैं

रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि प्रदर्शन अभी भी एक प्रमुख चालक बना हुआ है, निवेशक रक्षात्मक कारकों में भी रुचि दिखा रहे हैं।

जो एक संतुलित दृष्टिकोण का संकेत देता है। सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में पैसिव फंड मुख्यधारा बन रहे हैं। 2025 तक लगभग 76 प्रतिशत म्यूचुअल फंड निवेशक इंडेक्स फंड या ईटीएफ के बारे में जानते हैं, और 68 प्रतिशत ने कम से कम एक पैसिव फंड में निवेश किया है, जो 2023 में लगभग 61 प्रतिशत था।

सितंबर में वेज थाली की कीमत 10 प्रतिशत घटी, नॉनवेज थाली भी 6 प्रतिशत सस्ती हुई

नई दिल्ली। भारत में एक घरेलू वेजिटेरियन थाली की कीमत सितंबर में (सालाना आधार पर) 10त्न घटकर 28.17 रुपए हो गई है। पिछले साल सितंबर-2024 में वेज थाली की कीमत 31.30 रुपए थी। कैपिटल मार्केट कंपनी क्रिसिल ने अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी है।

क्रिसिल ने अपनी राइस रोटी रेट रिपोर्ट में बताया कि वेजिटेरियन थाली की कीमत अगस्त की तुलना में सितंबर में 3त्न घटी है। अगस्त में वेज थाली की कीमत 29.1 रुपए थी।

नॉन-वेज थाली भी 6 प्रतिशत सस्ती हुई

वहीं, नॉन-वेज थाली की कीमत सितंबर में सालाना आधार पर 6त्न घटकर 56 रुपए हो गई है। पिछले साल सितंबर-2024 में नॉन वेज थाली की कीमत 59.30 रुपए थी।

मंथली बेसिस पर यानी अगस्त की तुलना में सितंबर में नॉन-वेज थाली की कीमत 3त्न बढ़ी है। मई में नॉन-वेज थाली की कीमत 54.60 रुपए थी।

आलू, प्याज और टमाटर सस्ते होने से वेज थाली के दाम घटे

क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक आलू, प्याज और टमाटर के दाम घटने के चलते वेज थाली की कॉस्ट में कमी हुई है। प्याज की कीमत 46 प्रतिशत घटी है। इसका कारण रबी की फसल की अच्छी आवक और बाजार में बढ़ती उपलब्धता रही। वहीं आलू के दाम 31 प्रतिशत कम हुए हैं क्योंकि कोल्ड स्टोरेज यूनिट्स से बड़े पैमाने पर स्टॉक जारी किया गया है।

टमाटर की कीमतों में भी अच्छी सप्लाई के कारण 8 प्रतिशत की कमी आई है। वेज थाली की कॉस्ट में आलू और टमाटर की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी होती है। इसके अलावा दालों की कीमत में भी 16 प्रतिशत की गिरावट रही। हालांकि सालाना आधार पर वेजिटेबल ऑयल की कीमत 21 प्रतिशत और एलपीजी सिलेंडर की कीमत 6 प्रतिशत बढ़ी है।

सेंसेक्स 153 अंक गिरकर 81,773 के स्तर पर बंद, निफ्टी में भी 62 अंक की गिरावट रही

नई दिल्ली। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन आज यानी 8 अक्टूबर को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 153 अंक गिरकर 81,773 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 62 अंक की गिरावट रही, ये 25,046 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में गिरावट और 9 में तेजी है।

टाइटन का शेयर 4 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है। इंफोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा में भी 2 प्रतिशत तक की तेजी रही। टाटा मोटर्स, एमएण्ड एम और जियो फाइनेंस के शेयर्स गिरे हैं। निफ्टी के 50 में से 36 शेयर्स में गिरावट रही। एनएसई के ऑटो, मीडिया, बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर में गिरावट रही। अकेला आईटी इंडेक्स ऊपर रहा।

ग्लोबल मार्केट में भी गिरावट रही

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.45 प्रतिशत गिरकर 47,734 पर और हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.48 प्रतिशत गिरकर 26,829 पर बंद हुआ।

कोरिया का कोस्पी राष्ट्रीय अवकाश के चलते बंद है। वहीं, चीन में मिड ऑटम फेस्टिवल के चलते शंघाई कंपोजिट में 8 अक्टूबर तक कारोबार नहीं हुआ।

7 अक्टूबर को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.20 प्रतिशत गिरकर 46,602 पर बंद हुआ था। नैस्डेक कंपोजिट में 0.67 प्रतिशत और एसएण्ड पी 500 में 0.38 प्रतिशत की गिरावट रही थी।

बजाज फिनसर्व ने बीमा कंपनियों के नाम बदले

फाइनेंशियल सर्विसेज ग्रुप बजाज फिनसर्व ने अपनी बीमा कंपनियों का नाम बदलकर बजाज जनरल इंश्योरेंस और बजाज लाइफ इंश्योरेंस कर दिया है। जिससे इन उपक्रमों में बजाज समूह का स्वामित्व 74 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत हो गया है। इसके साथ ही बजाज ग्रुप ने अपने इंश्योरेंस बिजनेस को '100 प्रतिशत बजाज' बना लिया है।

मैं हमेशा विश्वकर्मा समाज के उत्थान के लिए ही काम करता हूं: राज्यसभा सदस्य रामचंद्र जांगड़ा

देवास पहुंचने पर श्री जांगड़ा सहित अन्य पदाधिकारियों का सामाजिक बंधुओं ने किया स्वागत

देवास। श्री विश्वकर्मा मंदिर महावीर नगर में संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया गया। यह आयोजन दिलीप आसलिया परिवार सिंगावदा वालों ने आयोजित किया। आयोजन में जांगिड़ ब्राम्हण समाज के वरिष्ठ राज्यसभा सदस्य रामचंद्र जांगड़ा तथा पिछड़ावर्ग महापंचायत म. प्र. प्रदेशाध्यक्ष एवं विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड मध्यप्रदेश शासन पूर्व के सदस्य राजेश विश्वकर्मा चकल्दी, विश्वकर्मा जनसंगठन के प्रदेश अध्यक्ष मनोज विश्वकर्मा ग्वालियर, अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राम्हण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रभुदयाल बरनेला भी शामिल हुए। राज्य सभा सदस्य श्री जांगड़ा ने

कहा मैं हमेशा विश्वकर्मा समाज के उत्थान के लिए ही काम करता हूं। राज्यसभा में भी सामाजिक उत्थान के मुद्दों को कई बार उठा चुका हूं जिसके सकारात्मक परिणाम भी आए हैं। जब-जब मुझे अपने सामाजिक बंधुओं, प्रबुद्धजनों के दर्शन की ललक होती है, मैं अपने आप को रोक नहीं पाता हूं। मध्यप्रदेश का दौरा होने पर देवास आकर श्री विश्वकर्मा मंदिर पहुंचना कभी नहीं भूलता हूं। आज भी आपके बीच पहुंचकर मैं धन्य हुआ। पिछड़ा वर्ग महापंचायत पदेश अध्यक्ष राजेश विश्वकर्मा ने कहा मध्यप्रदेश में विश्वकर्मा समाज के विधायक, सांसद नहीं हैं लेकिन राज्यसभा सदस्य श्री जांगड़ा का सानिध्य और मार्गदर्शन उन्हें सदैव मिलता है।

अतिथियों का विश्वकर्मा वंशज जिला देवास के अध्यक्ष पी.डी. शर्मा तथा मंदिर प्रबंधन समिति अध्यक्ष राकेश शर्मा के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। इससे पूर्व भगवान श्री विश्वकर्मा की आरती की गई। सुंदरकांड के बाद भगवान को भोग लगाकर भोजन प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर आसलिया परिवार से अभिषेक आसलिया के पुत्र नक्षत्र आसलिया का जन्मदिन भी मनाया गया।

69वीं राज्य स्तरीय शालेय सेपकटकरा प्रतियोगिता का अमरकंटक में भव्य आगाज़

-खिलाड़ियों के उत्साह और तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजा क्रीड़ा परिसर

अनूपपुर/अमरकंटक। नर्मदा की पावन धरा पर एक नया इतिहास रचा गया, जिला शिक्षा विभाग अनूपपुर के तत्वाधान में 69वीं राज्य स्तरीय शालेय सेपकटकरा प्रतियोगिता का शुभारंभ बालक/कन्या क्रीड़ा परिसर, अमरकंटक में बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ हुआ। यह प्रतियोगिता आगामी 8 से 11 अक्टूबर तक चलेगी, जिसमें प्रदेश भर से प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएँ अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।

राज्य के शहडोल, उज्जैन, सागर, जबलपुर, जनजातीय, ग्वालियर और इंदौर सहित विभिन्न संभागों से आए 240 खिलाड़ी मैदान में अपनी प्रतिभा आजमाने उतरे हैं। खिलाड़ियों के जोश और अनुशासन ने पूरे परिसर का वातावरण खेलमय और ऊर्जावान बना दिया।

दीप प्रज्वलन से हुई शुरुआत

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके उपरांत प्रतिभागियों को सफलता और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

अतिथियों का स्वागत पुष्पमालाओं और बैज से किया गया। स्वागत गीत की मधुर प्रस्तुति पीएम श्री स्कूल, अमरकंटक की छात्राओं ने दी, जिसने पूरे आयोजन को उत्साह और उल्लास से भर दिया।

विधायक ने दी प्रेरणा

अपने संबोधन में विधायक श्री मार्को ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अनुशासन, एकता और संघर्ष की जीवंत पाठशाला है। हमें सदैव निष्पक्ष भाव से खेलना चाहिए और अपनी श्रेष्ठता पूरे मनोयोग से प्रदर्शित करनी चाहिए। उन्होंने सभी

रोमांचक हुआ पहला मुकाबला

उद्घाटन मैच शहडोल संभाग और जनजातीय संभाग के बीच खेला गया। तीन राउंड तक चले इस कड़े और रोमांचक संघर्ष में अंततः जनजातीय संभाग ने 15/13 से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता का शुभारंभ विजयी अंदाज़ में किया।

गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर नगर परिषद अमरकंटक की अध्यक्ष पार्वती सिंह, एडीएम अनूपपुर दिलीप पांडेय, सीएमओ चैन सिंह परस्ते, सामाजिक कार्यकर्ता विक्की द्विवेदी, वीरू तंबोली, रंजीत सिंह सहित अनेक गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

खेल का परिचय

सेपक टाकरा,जिसे बुका बॉल, किक वॉलीबॉल या फुट वॉलीबॉल भी कहा जाता है, दक्षिण-पूर्व एशिया का लोकप्रिय खेल है। यह बैडमिंटन कोर्ट जैसे मैदान पर खेला जाता है, जिसमें खिलाड़ी गेंद को पैरों, घुटनों,छाती,कंधों और सिर की सहायता से जाल के पार भेजते हैं। इसे वॉलीबॉल और फुटबॉल का अनोखा संगम माना जाता है, जिसमें फुर्ती, ताकत और सामंजस्य की असाधारण आवश्यकता होती है।

जितेन्द्र पुरोहित बने जन परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष

देवास। अखिल भारतीय स्तर की गैर राजनीतिक एवं सामाजिक संस्था जन परिषद के संयोजक रामजी श्रीवास्तव एवं सह समन्वयक के. पी. अग्निहोत्री की अनुशंसा पर जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एन.के. त्रिपाठी ने समाजसेवी एवं पत्रकार जितेन्द्र पुरोहित को जन परिषद का प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। संस्था के महासचिव अजय श्रीवास्तव नीलू के अनुसार जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था है, जो कि गत 36 वर्षो से सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यो में सक्रिय होने के साथ साथ, कई ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व संदर्भ ग्रन्थों का प्रकाशन कर चुकी है। संस्था पर्यावरण पर बारह अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुकी है। संस्था

के इस समय पूरे देश में 275 से अधिक एवं विदेशों में 7 चैप्टर्स बन चुके हैं। संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है, जो कि रचनात्मक एवं सामाजिक सुधार के कार्यो को मूर्तरूप दे रहे हैं।संस्था का मुख्य आधार मानवीय, सामाजिक एवं राष्ट्रीय दृष्टिकोण है।

जनपरिषद ने श्री पुरोहित को सर्वप्रथम उज्जैन सम्भाग का अध्यक्ष मनोनीत किया था बाद में उनकी कार्य कुशलता के आधार पर मालवा का संयोजक बनाया था। संयोजक बनने के बाद आपने 29 चेप्टर का गठन कर किया अतः संस्था ने आपकी इस उपलब्धि पर अब आपको प्रांतीय उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा है।

अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली के नेतृत्व में “दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान”

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुपालकों को किया जा रहा जागरूक

अनूपपुर। जिले में आजीविका का प्रमुख साधन खेती है। इसके साथ-साथ पशुपालन भी ग्रामीण क्षेत्र का प्रमुख व्यवसाय है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुपालकों को जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान में पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के अधिकारी ऐसे परिवारों से घर जाकर सम्पर्क कर रहे हैं जिनके पास 10 से अधिक दुधारू पशु है।

अभियान के तहत अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडे,उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. बी. बी. चौधरी एवं सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी ने संतकुमार ख्याम ने अनूपपुर के बैरीबांध निवासी

पशुपालक भैया लाल पटेल से भेंट कर सीधा संवाद कर पशु पोषण के माध्यम से नस्ल सुधार और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपाय साझा किए।

अधिकारियों ने सेक्स सॉर्टेड सीमेन से उत्पन्न बछिया के पालन-पोषण एवं देखभाल के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

ग्राम केल्हौरी में भी हुआ गृह भेंट पशुपालक का नाम - मनीराज चौरसिया।

पशुपालक का नाम सनत चौरसिया।

ग्राम - केल्हौरी, ब्लॉक जैतहरी, जिला अनूपपुर (म.प्र.)

से गृह भेंट किया गया, डॉ लोकेश कुमार मोहबे - जिला नोडल अधिकारी ब्रस्ट्र अनूपपुर, डॉ पूजा मोहबे - पशु चिकित्सा शल्यज्ञ एवं तकनीकी अधिकारी, रमेश ओयाम - पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी एवं विशाल पुरी - गौ सेवक उपस्थित रहे और अभियान के मुख्य तीन बिंदु नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य की जानकारी प्रदान की गई। पशुपालक द्वारा स्वयं बताया गया कि कृत्रिम गर्भाधान द्वारा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हुई है।

जिले में 12 से 14 अक्टूबर तक चलाया जाएगा राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान

-अभियान के सफल संचालन हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

अनूपपुर। जिले में 12 से 14 अक्टूबर तक राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के सफल संचालन के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. वर्मा, सिविल सर्जन डॉ. एस. आर. परस्ते, जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. एम. एस. श्याम, जिला शिक्षा अधिकारी तुलाराम आर्मो, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में अपर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय पल्स पोलिया अभियान के दौरान जिले के प्रत्येक पोलियो बूथ पर प्रशिक्षित टीकाकर्मी समय पर उपस्थित रहें। घर-घर जाकर जन्म से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाई जाए। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जन जागरूकता के लिए प्रचार वाहन के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जाए। इस कार्य में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और शिक्षकों का सक्रिय सहयोग लिया जाए। किसी भी स्थिति में कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक या टीकाकरण से वंचित न रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी 12 अक्टूबर से प्रारंभ होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के दौरान निगरानी दलों के माध्यम से सतत् मॉनीटरिंग करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पोलियो मुक्त भारत हमारा सामूहिक लक्ष्य है। प्रत्येक नागरिक के सहयोग से ही इस अभियान की सफलता है। अभियान सुचारू एवं प्रभावी रूप से सम्पन्न हो, इसके लिए समस्त विभागों के अधिकारी समन्वयपूर्वक कार्य करें।

बैठक में बताया गया कि अभियान के अंतर्गत कुल 1 लाख 13 हजार 666 बच्चों का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए जिले में 998 टीमें बनाई गई हैं, जिसमें 2 हजार 36 सदस्य और 108 सुपरवाईजर बनाए गए हैं।

रामनगर पुलिस को चोरी के मामले में मिली सफलता, एक आरोपी गिरफ्तार, 02 नग एलईडी एवं चोरी में प्रयुक्त बाइक (50 हज़ार का मशरूका) बरामद

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन तथा अतिरिक्त

पुलिस अधीक्षक एवं एस.डी.ओ.पी. कोतमा के मार्गदर्शन में थाना रामनगर पुलिस को चोरी के मामले में एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। फरियादी अजय जायसवाल पिता स्व. मिठाई लाल जायसवाल उम्र 38 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 06, गोपाल पण्डाल भगत चौक, रामनगर ने थाना रामनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक 17.08.2025 को रात्रि लगभग 10:30 बजे वह अपनी इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान का सटर बंद कर घर चला गया था। अगले दिन 18.08.2025 को जब उसने दुकान खोली तो पाया कि दुकान की सीट तोड़कर अंदर रखा सामान 03 नग 42 इंच मोटेक्स कम्पनी टी.वी. एवं 02 नग 24 इंच कोनिक कम्पनी टी.वी. अज्ञात चोर चोरी कर ले गए हैं। रिपोर्ट पर थाना रामनगर में अपराध क्रमांक 224/25 धारा 331(4), 305(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान प्राप्त मुखबिर सूचना पर पुलिस ने आरोपी रघुवीर साहू उर्फ लाला पिता होरीलाल उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम गढ़ी थाना कोतमा को गिरफ्तार किया। पूछताछ पर आरोपी ने अपने साथी ललन साहू पिता राममिलन साहू निवासी ग्राम गढ़ी के साथ मिलकर बाइक क्र. एम.पी. 65 एम.एल. 7679 से चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी रघुवीर साहू से उसके हिस्से की चोरी की गई 02 नग स्मार्ट टी.वी. एवं चोरी में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई है। सह-आरोपी ललन साहू फरार है, जिसकी तलाश की जा कर शेष मशरूका बरामद की जाएगी। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सुमित कौशिक सहित अन्य पुलिस कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस मुख्यालय अंतर्गत सूबेदार/उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2025 के लिए विज्ञापन जारी

अनूपपुर। पुलिस मुख्यालय के अंतर्गत सूबेदार/उप निरीक्षक संवर्ग के 500 पदों की सीधी भर्ती के लिये चयन परीक्षा-2025 का विज्ञापन मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा 07 अक्टूबर 2025 को प्रकाशित किया गया है। परीक्षा के ऑनलाईन आवेदन-पत्र भरने की तिथि 27 अक्टूबर से 10 नवंबर 2025 तक निर्धारित है। परीक्षा का आयोजन 9 जनवरी 2026 को होगा। परीक्षा प्रदेश के 12 शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, खंडवा, नीमच, रीवा, रतलाम, सागर, सतना, सीधी, उज्जैन एवं अनूपपुर में होंगे। परीक्षा की नियम पुस्तिका मंडल की वेबसाइट द्दद्धद्ध.द्धड्ढ.द्दश्र1.द्धद्ध पर प्रदर्शित की गई है, जिसे डाउनलोड कर आवेदक नियम पुस्तिका में उल्लेखित प्रावधान अनुसार अपना आवेदन-पत्र भर सकते हैं।

कोटा बैराज से धान की सिंचाई के लिये श्योपुर जिले को मिलेगा पानी

ग्वालियर। श्योपुर जिले के किसानों को धान की सिंचाई के लिये राजस्थान स्थित कोटा बैराज से पानी मिलेगा। किसानों द्वारा की जा रही पानी की मांग को पूरा करने के लिये मध्यप्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत से बीते रोज फोन से चर्चा की। राजस्थान के मंत्री रावत ने जल्द ही कोटा बैराज से चंबल दाहिनी मुख्य नहर में पानी छोड़ने पर सहमति दी है। इसके लिये मंत्री सिलावट ने मध्यप्रदेश सरकार की ओर से राजस्थान सरकार के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया है।

‘मीडिएशन फॉर नेशन’ अभियान के तहत 512 प्रकरणों का निराकरण

ग्वालियर। ‘मिडिएशन फॉर नेशन’ 90 दिवसीय विशेष अभियान के तहत ग्वालियर जिले में मीडिएशन के जरिए आपसी सुलह समझौते के आधार पर 512 प्रकरणों का निराकरण कराया गया है। ग्वालियर जिले में भी यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उच्चतम न्यायालय की मीडिएशन कंसीलेसन प्रोजेक्ट कमेटी के दिशा-निर्देशों के तहत गत जुलाई माह से सितम्बर माह तक आयोजित किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ललित किशोर के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रियंक भारद्वाज के नेतृत्व में जिला न्यायालय ग्वालियर, सिविल न्यायालय डबरा व भितरवार एवं कुटुम्ब न्यायालय ग्वालियर के अंतर्गत विचाराधीन मामलों को मीडिएशन के माध्यम से इस अभियान के दौरान निराकृत कराया गया।

चेम्बर ओवरफ्लो, सड़क पर फैल रही गंदगी

ग्वालियर। वार्ड क्रमांक 61 में सिरोल झांसी लिंक रोड अंतर्गत कॉस्मो आनंदा कॉलोनी गेट के सामने सीवर का चेम्बर ओवरफ्लो होने से गंदगी सड़क पर फैल रही है। सड़क पर गंदगी फैलने से लोगों का निकलना तो दुभर हो रहा है, जिससे कॉलोनीवासियोंएवं आने जाने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कॉस्मो आनंदा रहवासी समिति कॉलोनी वासियों ने नगर निगम अधिकारियों से सीवर चेम्बर ठीक कराने की मांग की है।

सेवा सप्ताह में पीस पोस्टर कार्यक्रम हुआ

ग्वालियर। लायंस क्लब ग्वालियर आध्या, आराध्या, अनुभूति ने सेवा सप्ताह के अंतर्गत पांचवें दिन पीस पोस्टर कार्यक्रम सिंध आदर्श बाल मंदिर में कराया गया जिसका टॉपिक था हम साथ साथ हैं जिसमें 60 बच्चों ने भाग लिया। सभी बच्चों को क्लब की तरफ से कलर का पैकेट और

स्वल्हार दिया गया। मुख्य अतिथि प्रांतीय सचिव लायन रमेश श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि स्कूल के अध्यक्ष अशोक चौधरी और पूर्व रीजन चेयरपर्सन एम जे एफलायन मीनाक्षी गोयल जी रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुभूति के अध्यक्ष लायन अशोक शर्मा ने की। बच्चों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय और तीन सांत्वना पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में आराध्या क्लब की अध्यक्ष लायन नीता अग्रवाल,सचिव लायन अंजू गर्ग,कोषाध्यक्ष लायन वंदना गुप्ता ,कार्यक्रम संयोजक लायन संध्या जैन, आध्या क्लब की अध्यक्ष लायन प्रीति झा, मनु शर्मा आदि सदस्य उपस्थित थे।

अपर आयुक्त ने किया साफ सफाई का निरीक्षण

ग्वालियर। अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने दक्षिण विधानसभा अंतर्गत वार्ड 43, 44, 50 महाराज बाड़ा, टोपी बाजार, सराफ बाजार, दौलतगंज, राम मंदिर चौराहा, बुद्धा पार्क एम्सीटीएस एवं वार्ड अंतर्गत सुलभ शौचालय का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने वार्डों में भ्रमण के दौरान साफ सफाई व्यवस्था को देखा तथा गंदगी मिलने पर नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वार्डों में समय पर कचरा वाहन निकले जिससे ज्यादा से ज्यादा फेरे लग सकें। अभी दीपावली का त्यौहार भी नजदीक है तथा कचरा भी घरो से अधिक मात्रा में निकल रहा है। साथ ही निर्देशित किया कि कहीं भी कचरा ठिया न बने इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही पार्कों में प्रतिदिन साफ सफाई करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बुद्धा पार्क एम्सीटीएस एवं शौचालय का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त अमर सत्य गुप्ता, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव, स्वास्थ्य अधिकारी किशोर चौहान सहित एएचओ, जेडएचओ एवं डब्ल्यूएचओ उपस्थित थे।

विधिक माप विज्ञान अधिकारी नापतोल विभाग ने किया दुकानों का निरीक्षण

ग्वालियर। नापतौल विभाग द्वारा शहर के विभिन्न बाजारों में नमकीन व खान-पान की दुकानों, किराना स्टोर एवं जनरल स्टोर आदि प्रतिष्ठानों के तौल - माप उपकरणों की जाँच की जा रही है। जिन संस्थानों पर नापतोल से संबंधित अनियमितताएं सामने आ रही हैं उनके खिलाफ विधिक माप विज्ञान अधिनियम व नियमों के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में जाँच के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर 7 दुकानों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

विधिक माप विज्ञान अधिकारी नापतोल विभाग व्ही एस सिंघानिया ने बताया कि निरीक्षण के दौरान गुड़ा गुड़ी का नाका स्थित रोली मिष्ठान भंडार, सोनी जी किराना एवं जनरल स्टोर, अंकित किराना एवं जनरल स्टोर,

शीतल किराना स्टोर व श्रीराम किराना स्टोर पर तौल कांटा सत्यापित नहीं पाया गया। इसी प्रकार जोधपुर मिष्ठान भंडार कटोरा ताल रोड एवं रोस्टेड जीरा नमकीन टोस्ट के पैकेटो एवं मिठास अचलेश्वर रोड के पैकेटों पर आवश्यक घोषणा अंकित नहीं पाई गई। इस आधार पर इन फर्मो के खिलाफप्रकरण दर्ज किए गए हैं।

राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी गई वार्षिक पुनरीक्षण की जानकारी

ग्वालियर । जिले में भी राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों एवं नगरीय निकायों की फेटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची तैयार की जा रही है। बुधवार को अपर कलेक्टर सी बी प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित हुई स्टेंडिंग कमेटी की बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया गया कि प्रारूप मतदाता सूचियों के संबंध में 08 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक प्राधिकृत कर्मचारियों के माध्यम से दावे आपत्तियां प्राप्त की जायेंगीं। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्राधिकृत कर्मचारी नगरीय निकायों में वार्ड स्तर पर एवं जनपद पंचायतों में ग्राम पंचायत स्तर पर नियुक्त किये गये हैं।उप जिला निर्वाचन अधिकारी

श्रीमती भूमिजा सक्सेना ने बैठक में जानकारी दी कि कोई भी व्यक्ति इन दिवसों में वार्ड स्तर ध् ग्राम पंचायत स्तर पर पहुँचकर मतदाता सूची में अपने नाम की अध्यतन जानकारी ले सकता है। साथ ही किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर वह निर्धारित फार्म में अपना दावा व आपत्ति दर्ज करा सकता है।

छिंदवाड़ा समाचार....

भाजपा मप्र को बच्चों का कब्रिस्तान बनाना चाहती है - उमंग सिंघार

» पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जुन्नारदेव ने किया धरना प्रदर्शन

नागपुर में इलाजरत बच्चों को आज भी नहीं मिल पाई पूरी सुविधाएं

छिन्दवाड़ा। जहरीले कफ सिरप की वजह से जान गंवाने वाले बच्चों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करने, परिजनों को तत्काल 01-01 करोड़ रुपए की राहत राशि प्रदान करने। नागपुर में इजारत बच्चों के समुचित व दीर्घकालिक निशुल्क इलाज की समूचित व्यवस्था व सम्पूर्ण व्यय सरकार के द्वारा वहन करने की मांग को लेकर जुन्नारदेव में धरना प्रदर्शन किया गया।

जुन्नारदेव ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में आयोजित धरना प्रदर्शन में सम्मिलित हुए नेता विपक्ष उमंग सिंघार ने दिवंगत बच्चों को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा भाजपा सरकार व स्वास्थ्य मंत्री की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा भाजपा सरकार कुर्सी और सरकार की लालची सरकार है जिसे जनता जर्नादन की फिक्र नहीं है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण कोरोना संक्रमण काल है जिसमें भाजपा ने जनता को भगवान भरोसे छोड़कर कांग्रेस की सरकार गिराने का षड्यंत्र रचा। वहीं दूसरी ओर मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं पूर्व सांसद नकुलनाथ है जिन्होंने सबकुछ छोड़कर अपने छिन्दवाड़ा परिवार की चिंता की। निशुल्क ऑक्सीजन से लेकर तमाम आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा कि आज भी उनकी सम्पूर्ण घटनाक्रम पर सतत निगाह है।

सरकार और स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने कहा कि हत्या का दोषी कौन है, स्वास्थ्य मंत्री है ? या कोई और। प्रदेश के भीतर दवाइयों के वितरण की अनुमति किसने दी, कमीशन किसने खाया ? पूर्व में जिन बच्चों को सिरप दिया गया उनकी जांच के आदेश सरकार ने अभी तक नहीं दिए। क्या भाजपा मप्र को बच्चों का कब्रिस्तान बनाना चाहती है ? राजस्थान में भी ऐसी घटना घटी। जिम्मेदार कौन ? सीएम जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते, 4 दिन पूर्व ही स्वास्थ्य मंत्री कह रहे थे कफ सिरप की वजह से मौत नहीं हुई।

स्वास्थ्य मंत्री का सच्चाई से हुआ सामना तो बंद कराया कैमरा

जहरीले कफ सिरप को क्लीन चिट देने वाले स्वास्थ्यमंत्री छिन्दवाड़ा पहुंचकर कफ सिरप से हुई मौत पर समीक्षा कर रहे। अधिकारियों से चर्चा में जब ड्रग इंस्पेक्टर ने कहा कि जांच के संसाधन नहीं है तो उन्होंने कैमरा बंद करा दिया। सच्चाई का सामना करने से डर रहे हैं। क्योंकि इन मासूम बच्चों की मौत के जिम्मेदार स्वास्थ्य मंत्री है। कुछ दिनों बाद सभी दीपावली मनाएंगे, घरों में दीपक जलेंगे, लेकिन इस सरकार ने अनेकों घरों के दीपक बुझा दिए हैं उनका क्या ? डॉक्टर पर अपराध पंजीबद्ध कर दिया, क्या डॉक्टर दवा बनता है। सरकार अपनी जिम्मेदारियों से भाग रही।

धरना प्रदर्शन के पश्चात उमंग सिंघार सहित कांग्रेस के जनप्रतिनिधिगण ने जुन्नारदेव व परासिया क्षेत्र के जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों से मिलने पहुंचे और शोक संवेदनाएं व्यक्त की। कमलनाथ व नकुलनाथ ने इलाज कराया पर बताया नहीं आयोजित धरना प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए जुन्नारदेव विधायक सुनील उइके ने कहा कि मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं नकुलनाथ ने प्रतिदिन 200-200 से अधिक लोगों का इलाज कराया, लेकिन बताया नहीं। वर्तमान सांसद को देख लीजिये एक इलाज पर वाहवाही लूटते हैं। 19 बच्चों की मौत हो गई, सांसद नहीं पहुंचे, वे स्वदेशी, मेला, गरबा और क्रिकेट में लगे रहे। इसीलिये मैं बार-बार एक ही बात कहता हूं कि यह कलेक्टर और एसपी का बनाया हुआ सांसद है, इसीलिये उसे जनता के दुख-दर्द से वास्ता नहीं है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे, जुन्नारदेव विधानसभा प्रभारी गोविंद राय, बैतूल जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय डागा, चौरई विधायक सुजीत चौधरी, पांढुर्ना विधायक निलेश उइके, अरूण साहू, अरूणेश जायसवाल, घनश्याम तिवारी, छोटू पाठक, विनोद निरापुरे, नीटू गांधी, अंकित राय, अशोक विश्वकर्मा, सीएन वर्मा, अनिल मिगलानी सहित सहकारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष जय सक्सेना, मुलताई प्रभारी आंनद राजपूत सहित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जुन्नारदेव के समस्त विभाग, प्रकोष्ठ व अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

जिले में छुपी हुई प्रतिभाओं को मिल रहा अवसर विश्वजीत ने किया जिले का नाम रोशन

छिंदवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लगातार खेलों को महत्व दिया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि देश और प्रदेश में छुपी हुई प्रतिभाएं सामने आ रही है। छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जिले में भी सांसद बंटी विवेक साहू द्वारा अपने डेढ़ साल के संसदीय कार्यकाल सहित भाजपा जिलाध्यक्ष रहते हुए भी खेलों को महत्व दिया जा रहा है। जिससे अब जिले में भी प्रतिभाओं को अवसर मिल रहा है। इसी का परिणाम है कि खिलाड़ी प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन कर रहे है। हाल ही में विश्वजीत सिंह शक्रवार में भी जबलपुर संभाग में चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है। उल्लेखनीय है कि विश्वजीत सिंह शक्रवार पिता दीपेंद्र सिंह शक्रवार का पुलेला गोपीचंद मध्यप्रदेश उत्कृष्ट बैडमिंटन एकेडमी ग्वालियर में जबलपुर संभाग से चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर सांसद बंटी विवेक साहू एवं भाजपा खेल प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अंकित सोलंकी ने बधाई दी है। विश्वजीत पुलेला गोपीचंद मध्यप्रदेश उत्कृष्ट बैडमिंटन एकेडमी ग्वालियर में चयनित होने वाले जिले के पहले खिलाड़ी हैं। जिला संयोजक अंकित सोलंकी ने विश्वजीत को ग्वालियर के लिए रवाना होने से पहले रेलवे स्टेशन पहुंचकर सांसद बंटी विवेक साहू की ओर से हर संभव मदद करने का आश्वासन देते हुए शुभकामनाएं दी।

विदित हो कि विश्वजीत बालाजी पब्लिक स्कूल में क्लास 8 का विद्यार्थी है। विश्वजीत एसजीएफआई में भी जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे है। विश्वजीत मध्यम वर्गीय परिवार से है, जिसके माता पिता दोनों ही प्राइवेट स्कूल मे शिक्षक है। विश्वजीत के माता पिता ने बंटी विवेक साहू का खेल के प्रति समर्पण एवं खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

कमलनाथ व नकुलनाथ का होगा छिन्दवाड़ा आगमन

तीन दिवसीय दौरे पर आएंगे नेताद्वय

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ का छिन्दवाड़ा आगमन होने जा रहा है। नेताद्वय तीन दिवसीय दौरे पर छिन्दवाड़ा आएंगे, इस दौरान वे सर्वप्रथम परासिया क्षेत्र में जहरीले कफ सिरप से जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों से भेंट करेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार कमलनाथ एवं नकुलनाथ का दिनांक 12 अक्टूबर 2025 दिन रविवार को विशेष वायुयान से ईमलीखेड़ा हवाई पट्?टी पर प्रात~ 10 बजे आगमन होगा तदोपरांत कमलनाथ एवं नकुलनाथ का प्रात~ 10.30 बजे परासिया आगमन होगा जहां वे पीड़ित परिवार के सदस्यों से भेंट करेंगे।

दिनांक 13 अक्टूबर 2025 दिन सोमवार को कमलनाथ एवं नकुलनाथ जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।

दिनांक 14 अक्टूबर 2025 दिन मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा तय कार्यक्रमों में शामिल होने के उपरांत प्रस्थान करेंगे।

शहर संभाग के अंतर्गत 11 के.व्ही. सोनपुर रोड टाउन-2 फीडर से संबंधित सभी क्षेत्रों की विद्युत सप्लाई आज रहेगी बाधित

छिन्दवाड़ा। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी छिंदवाड़ा (शहर संभाग) के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि छिंदवाड़ा शहर संभाग के अंतर्गत 33/11 के.व्ही., एल.टी. लाईन एवं विद्युत उपकरणों के मानसून पूर्व रख-रखाव कार्य के कारण 09 अक्टूबर 2025 गुरूवार को 11 के.व्ही. सोनपुर रोड टाउन-2 फीडर, फीडर कोड- 7087 के अंतर्गत संबंधित सभी क्षेत्रों की विद्युत सप्लाई प्रात~ 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक बाधित रहेगी।

उन्होंने बताया कि 09 अक्टूबर 2025 को छिंदवाड़ा शहर संभाग के अंतर्गत आने वाले 11 के.व्ही. सोनपुर रोड टाउन-2 फीडर, फीडर कोड- 7087 (ट्रांसफर्मरों की संख्या 32 व लंबाई 7.68 कि.मी.) झण्डा चौक, कपूरचंद साहू, हनुमान मंदिर छापाखाना, नया छापाखाना, मोतीलाल बुधवारी, डी. नेमा मेनरोड, सरदार बिल्डिंग, राजपाल चौक, पोला ग्राउंड, दशहरा मैदान, सिटी कोतवाली थाना, बीकानेर, मोहबे मार्केट, इतवारी, फव्वारा व गर्ल्स कॉलेज आदि से संबंधित क्षेत्रों की विद्युत सप्लाई बाधित रहेगी। इस आवश्यक कार्य के दृष्टिगत आवश्यकतानुसार यह समयावधि बढ़ाई या घटाई जा सकती है । बिजली संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिये 1912 टोल फ्री नंबर डायल किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश वेट लिफ्टिंग चैंपियनशिप मै जिले के 17 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

जिला वेट लिफ्टिंग टीम आज इंदौर के लिए रवाना

छिन्दवाड़ा । मध्यप्रदेश वेट लिफ्टिंग महिला/ पुरुष यूथ,जूनियर, सीनियर चैंपियनशिप का आयोजन आगामी 11 एवं 12 अक्टूबर को इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में छिंदवाड़ा जिले के 17 खिलाड़ी भाग लेने जा रहे हैं जो अपनी प्रतिभा और मेहनत का प्रदर्शन करेंगे। जिला वेट लिफ्टिंग संघ के सचिव रविकांत अहिरवार ने बताया कि इस टीम में 5 महिला खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिनमें से 3 महिला खिलाड़ी हाउसवाइफ़ एवं वर्किंग वुमन हैं। यह पहल महिला सशक्तिकरण की

दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है । सभी खिलाड़ी लगातार मेहनत कर रहे हैं और जिले का नाम राज्य स्तर पर रोशन करने के लिए तत्पर हैं।

टीम में शामिल खिलाड़ी यूथ वर्ग जिज्ञासा, हर्ष ,जय ,मुकुल, जूनियर वर्ग - आयुषी साहू,हर्षित कराड़े,रहवास उईके मयूर ,नवीन ,यश चौहान, आदित्य ठाकुर सीनियर वर्ग - रश्मि चौधरी, रीता रानी सिंह, ज्योति सोनारे, हर्षित,संतोष दर्शना, शुभम यादव हैं। चयनित वेटलिफ्टिंग की टीम को प्रदेश वेटलिफ्टिंग संघ के उपाध्यक्ष एवं जिला वेट लिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैस के नेतृत्व में शुभकामनाएं देते हुए इंदौर के लिए रवाना किया गया । इस अवसर पर राजेंद्र सिंह ठाकुर, विक्रांत अहिरवार, डॉ.सुशील पटवा,जावेद खान, नरेंद्र सोनारे , मनीष बत्रा , सौरभ ,पूजा तिवारी, पवन यादव आदि उपस्थित रहे। टीम के मैनेजर हरिओम नामदेव और कोच शिवम् यादव होंगे।

सभी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे न केवल व्यक्तिगत स्तर पर बल्कि पूरे छिंदवाड़ा जिले का गौरव बढ़ाएंगे ।

स्वास्थ्य शिविर में 938 ग्रामीणों ने उठाया स्वास्थ्य लाभ

पगारा के रबाई में आयोजित 22 वें निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में शामिल हुये जनप्रतिनिधिगण

शिविर में पहुंची 454 महिलाओं और बालिकाओं और 484 पुरूषों के स्वास्थ्य का हुआ परीक्षण

छिन्दवाड़ा। 100 दिन सेवा संकल्प और स्वास्थ्य की श्रृंखला के तहत पगारा मंडल के ग्राम रबाई में आयोजित 22 वें निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में जनप्रतिनिधिगण शामिल हुये। स्वास्थ्य शिविर में 938 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया। शिविर में पहुंची 454 महिलाओं और बालिकाओं और 484 पुरूषों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष मनीष यादव थे।

मंडल अध्यक्ष मनीष यादव के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, मंडल अध्यक्ष ने क्षेत्र में बच्चों की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के लिए अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह निशुल्क स्वास्थ्य शिविर समाज के कमजोर वर्गों तक सहायता पहुंचाने और जनता को सरकार की योजनाओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। इस दौरान उन्होने 100 दिन सेवा संकल्प और स्वास्थ्य की श्रृंखला के तहत आयोजित इस शिविर में आए मरीजों से स्वास्थ्य लाभ लेने की अपील की। जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित जनसमुदाय को मोदी सरकार द्वारा की जा रही सेवा, सहयोग एवं समर्पण रूपी कार्यो से अवगत कराया।

शिविर में 938 मरीजों का हुआ उपचार

पगारा के रबाई में शिविर के दौरान कुल 938 लोगों ने अपना पंजीयन कराया, जिसमें 454 महिलाओं और बालिकाओं और 484 पुरूषों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। इस स्वास्थ्य शिविरों में ईएनटी, नेत्र, मधुमेह, दंत जांच, कैंसर मुख, स्तन, ग्रीवा, गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण सेवाएं, एनीमिया का स्तर, टेलीमानस सुविधाएं, टीबी जांच, मातृ एवं शिशु सुरक्षा कार्ड, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, नामांकन, आयुष्मान वय वंदना, सिकल सेल कार्ड, आभा आईडी पंजीकरण सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की गई।

शिविर में यह रहे प्रमुख रूप से उपस्थित

स्वास्थ्य शिविर के इस अवसर पर शिविर में ग्राम सरपंच संतलाल कहार,उपसरपंच श्रीमति उर्मिला बेलवंशी, जनपद सदस्य विजय साहू, मण्डल महामंत्री परशु यदुवंशी, मंडल महामंत्री अनु. मोर्चा जगदीश डेहरिया, मंडल मंत्री हीरालाल पाल, इकलेरा सरपंच श्रीमती साधन दास, महिला मोर्चा अध्यक्ष अनीता कहार, युवा मोर्चा अध्यक्ष मुकुल साहू, मण्डल प्रतिनिधि विकास अग्रवाल, युवा मोर्चा महामंत्री भूरा कौरव, महिला मोर्चा उपअध्यक्ष सरिता पवार, किसान मोर्चा अध्यक्ष दीपक राय,अंसार सिद्दिकी, रूपेश कहार, तीन पूर्व सरपंच द्वारका डेहरिया, गुड्डू यदुवंशी, रेखान लाल यादव, पंचगण व भाजपा कार्यकर्ता एवं अन्य पदाधिकारी और बडी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

हार्टफुलनेस ध्यान पद्धति से आत्मिक शांति और मानसिक संतुलन की ओर कदम

» पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित हुआ प्रेरणादायी सत्र

छिन्दवाड़ा। पुलिस ट्रेनिंग सेंटर छिंदवाड़ा में दिनांक 08 अक्टूबर 2025 को हार्टफुलनेस परिचयात्मक प्रथम सीटिंग का सफल आयोजन किया गया। यह सत्र पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों एवं नवआरक्षकों को मानसिक शांति, आत्मिक संतुलन एवं सकारात्मक सोच के मार्ग पर अग्रसर करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस विशेष अवसर पर हार्टफुलनेस ट्रेनर डॉ. शैलेंद्र सरयम, सुधांशु डेहरिया, बटालियन से जगन्नाथ सूर्यवंशी एवं सतीश शर्मा द्वारा हार्टफुलनेस पद्धति के महत्व, सिद्धांत एवं अभ्यास पर विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि आधुनिक जीवन की भागदौड़ में ध्यान और आत्मिक अनुशासन अपनाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे व्यक्ति न केवल तनावमुक्त रहता है बल्कि उसकी कार्यक्षमता और निर्णय क्षमता भी सशक्त होती है।

कार्यक्रम में लगभग 210 अधिकारी, कर्मचारी एवं नवआरक्षक उपस्थित रहे जिन्होंने बड़े उत्साह और समर्पण के साथ हार्टफुलनेस ध्यान का अभ्यास किया।

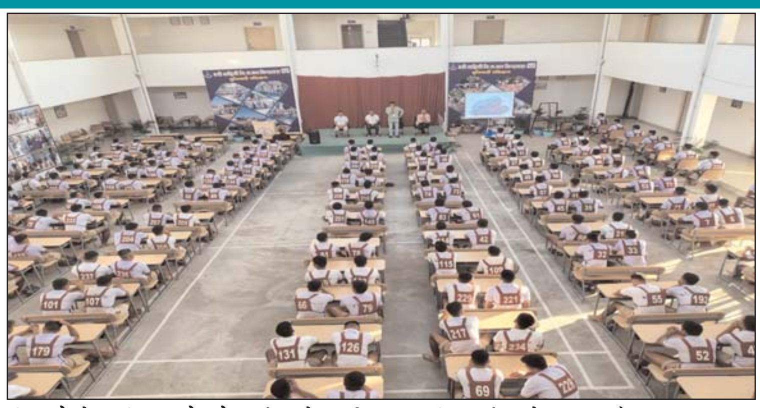

प्रशिक्षकों ने उपस्थितजनों को हार्टफुलनेस की मूल पद्धति से परिचित कराया तथा प्रैक्टिकल सत्र के माध्यम से सभी को ध्यान की वास्तविक अनुभूति कराई। प्रतिभागियों ने ध्यानाभ्यास के दौरान शांति, स्थिरता एवं सकारात्मक ऊर्जा का गहन अनुभव प्राप्त किया।

डॉ. शैलेंद्र सरयम ने अपने उद्बोधन में कहा कि हार्टफुलनेस ध्यान केवल एक साधना नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है। यह व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाता है और समाज में संवेदनशीलता तथा करुणा के भाव को विकसित करता है।

सुधांशु डेहरिया एवं अन्य प्रशिक्षकों ने बताया कि इस ध्यान पद्धति का अभ्यास नियमित रूप से करने से मनुष्य की मानसिक दृढ़ता, एकाग्रता और आत्मनियंत्रण में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। विशेष रूप से पुलिस विभाग जैसे उच्च जिम्मेदारी वाले क्षेत्रों में यह अभ्यास तनाव प्रबंधन और निर्णय क्षमता को सशक्त बनाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होता है। इस सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को यह समझने का अवसर मिला कि मन की शांति ही कार्यकुशलता की जड़ है। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थितजनों ने इस पहल के लिए हार्टफुलनेस संस्था एवं पुलिस ट्रेनिंग सेंटर प्रशासन का आभार व्यक्त किया और भविष्य में ऐसे प्रेरणादायी सत्रों के निरंतर आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य था पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों में आत्मिक जागरूकता, भावनात्मक संतुलन, सकारात्मक सोच एवं सेवा भावना का विकास करना, ताकि वे समाज सेवा के अपने दायित्वों का निर्वहन और अधिक समर्पण एवं संवेदनशीलता के साथ कर सकें।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री बघेल ने किया जिले के शैक्षणिक संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार के लिये दिए दिशा-निर्देश

छिन्दवाड़ा। जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल द्वारा आज जिले के शैक्षणिक संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का उद्देश्य शैक्षणिक व्यवस्था एवं गुणवत्ता में सुधार लाना था। निरीक्षण के दौरान शासकीय माध्यमिक शाला मोठार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिवपुरी और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पलटवाड़ा का दौरा किया गया।

निरीक्षण के दौरान शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला मोठार में यह पाया गया कि राष्ट्रीय मींस कम मेरिट परीक्षा के लिए विद्यार्थियों से आवेदन फॉर्म भरवाए गए हैं, लेकिन पाठ्य सामग्री विद्यार्थियों को उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके अलावा, पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों का अभ्यास भी विद्यार्थियों से नहीं कराया गया। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री बघेल ने प्रधान पाठक को निर्देशित किया कि कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों को अगले तीन दिनों तक केवल और केवल राष्ट्रीय मींस कम मेरिट परीक्षा की तैयारी पर ध्यान केंद्रित कराया जाए। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिवपुरी विद्यालय में निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि सीईयूटी और क्लेट की कक्षाएं अब तक प्रारंभ नहीं की गई हैं और ना ही पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई गई है। साथ ही जेईई के पिछले 10 वर्षों के साल्व्ड, अनसाल्व्ड प्रश्न पत्र भी विद्यार्थियों को उपलब्ध नहीं कराए गए । स्व-आकलन प्रपत्र भी विद्यार्थियों से नहीं भरवाए गए थे और कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति भी कम पाई गई। जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री बघेल द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई एवं प्राचार्य पी.के. बर्मन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, जबकि प्रधान पाठक श्री मूलचंद उईके को बिना छुट्टी के आवेदन के अनुपस्थित रहने पर भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसी प्रकार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पलटवाड़ा में निरीक्षण के दौरान पाया गया कि जेईई और नीट की कक्षाएं नियमित रूप से संचालित हो रही हैं। पाठ्य सामग्री और पिछले 10 वर्षों के साल्व्ड एवं अनसाल्व्डप्रश्न पत्र विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए गए हैं। सीईयूटी और क्लेट की पाठ्य सामग्री भी प्राचार्य द्वारा क्रय कर ली गई है और कक्षाएं जल्द ही प्रारंभ होने वाली हैं। इसके अलावा, विद्यालय में प्राचार्य के विशेष प्रयास से एक बड़ा टीन शेड तैयार किया गया है, खेल मैदान का समतलीकरण किया गया है और %एक पेड़ मां के नाम% अभियान के तहत पौधारोपण अभियान भी चलाया गया है। विद्यालय के शैक्षणिक स्तर एवं त्रैमासिक परीक्षा परिणाम भी अच्छे पाए गए और विद्यार्थियों की उपस्थिति भी संतोषजनक रही। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री बघेल द्वारा प्राचार्य श्री अर्जुन डेहरिया और सभी स्टाफ की सराहना की गई।

जिला व्यावसायिक समन्वयक डॉ. साबिर फारूकी द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिवपुरी और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पलटवाड़ा में व्यावसायिक शिक्षा के प्रशिक्षकों और विद्यार्थियों से चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान लैब का जायजा लिया गया और औद्योगिक भ्रमण एवं अतिथि व्याख्यान के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही, प्रशिक्षकों को निर्देश दिए गए कि वे प्रतिदिन अपनी उपस्थिति ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से दर्ज करें।

जंगल का कत्ल — खदबेली और बडोसा में रेत तस्करी और जंगल कटाई का काला खेल, अधिकारी बने मूकदर्शक

खदबेली,बडोसा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने की कार्यवाही की मांग

छिन्दवाड़ा। खदबेली,गुलसी ,जाखावाडी,मोहपानी,चकुआटाना,पानयारी,भीमालगोदी, रैय्यतवाडी,और बडोसा गांवों में इन दिनों जंगल की अंधाधुंध कटाई और रेत तस्करी का कारोबार खुलेआम चल रहा है। रात के अंधेरे में ट्रैक्टर रेत से लदे निकलते हैं, वहीं जंगलों में पेड़ों की कटाई की आवाज़ें गूंजती रहती हैं। ग्रामीणों के मुताबिक यह सब प्रशासन और वन विभाग की आंखों के सामने हो रहा है, लेकिन अधिकारी खामोश हैं। ग्रामीणों ने बताया कि रात होते ही पूरा इलाका रेत और लकड़ी तस्करों के कब्जे में आ जाता है। भारी वाहनों की आवाजाही इतनी बढ़ गई है कि ग्रामीणों का चैन और नींद दोनों उड़ चुके हैं। शिकायतों के बावजूद अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचते। इससे लोगों में गहरा रोष है और

अब यह सवाल उठने लगा है कि आखिर अधिकारी इस अवैध कारोबार पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं।

एक ग्रामीण ने कहा रात में ट्रैक्टर जंगलों की ओर जाते हैं, और वही वाहन रेत से लदे लौटते हैं। कई बार सूचना देने के बाद भी कोई नहीं आता, लगता है कहीं न कहीं मिलीभगत चल रही है।

यह अवैध कारोबार पर्यावरण के लिए खतरा बन चुका है। रेत निकालने से नदियों के किनारे कट रहे हैं, पेड़ों की कटाई से मिट्टी का क्षरण और वन्यजीवों का पलायन बढ़ गया है। भूजल स्तर गिर रहा है और जलस्रोत सूखने की कगार पर हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे। उन्होंने मांग की है कि रात में नाइट पेट्रोलिंग शुरू की जाए, अवैध वाहनों को जब्त किया जाए, और वन विभाग की मिलीभगत की जांच हो। एक महिला ग्रामीण ने कहा हमारे बच्चे इन जंगलों में खेलते थे, अब सिर्फ ट्रैक्टरों के निशान दिखते हैं। जंगल हमारी पहचान हैं, हम इन्हें खत्म नहीं होने देंगे।

वन विभाग और क्षेत्र अधिकारी अब तक मौन हैं। न तो कोई कार्रवाई हुई, न ही कोई जांच। यह खामोशी ग्रामीणों के बीच सवाल पैदा कर रही है कि आखिर अधिकारी किसके इशारे पर चुप हैं।

अगर यह हाल ऐसे ही जारी रहा तो आने वाले समय में यह क्षेत्र न सिर्फ बंजर होगा बल्कि पर्यावरणीय संकट की बड़ी मिसाल बन जाएगा।

प्रेम बिना परमात्मा नही मिलते - नागेंद्र ब्रह्मचारी

छिन्दवाड़ा। स्थानीय अनगढ़ हनुमान मंदिर में व्यासपीठ पर विराजमान महामंडलेश्वर नागेन्द्र ब्रह्मचारी ने कथा के छटवें दिन कहा कि गोपियों के पास धन संपत्ति ज्ञान नही था केवल प्रेम के बल से ही परमात्मा को अपने बस में कर लिया था वास्तव में परमात्मा को प्रेम से ही पा सकते हैं । गोवर्धन का महत्व एवं गौसेवा का महत्व बढ़ाने परमात्मा ने गो चारण लीला किये महारास में सभी गोपियों को प्रेम का पाठ पढ़ाया प्रेम में स्वार्थ नही त्याग होता है भगवान बद्रीनाथ में स्नान ,द्वारिका में वस्त्र,जगन्नाथ में भोजन रामेश्वरम में आराम करते हैं। मथुरा में भगवान ने कंस का वध कर द्वारका के राजा बने पर गोपियों के प्रेम को कभी नही भूले अनेक रानी पटरानियों के होते हुए भी गोपियों की याद में श्री कृष्ण अपने आपको रोने से नही रोक पाते उद्धव का ज्ञान भी गोपियों के प्रेम के आगे हार गया रुकमणी विवाह की कथा बतायी एवं सूंदर झांकी सजायी गयी जिसका भक्तों ने आनंद लिया कल सुदामा चरित्र के साथ सात दिवसीय कथा का समापन होगा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर पूण्य लाभ लिया आरती प्रसाद का वितरण किया गया।

स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी का सुनहरा मौकाः राज्यपाल श्री पटेल

» सांस्कृतिक विविधता और आर्थिक आत्मनिर्भरता का जीवंत उदाहरण

राज्यपाल राष्ट्रीय स्तरीय प्रदर्शनी सह-ब्रिकी कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल (एजेंसी)

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि नाबार्ड के स्वयं सहायता समूहों, हस्तशिल्पियों, कृषक और उत्पादक संघों के उत्पादों की राष्ट्रीय प्रदर्शनी सह-ब्रिकी कार्यक्रम भोपाल वासियों के लिए स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी, बचत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती में योगदान देने का सुनहरा मौका है। प्रदर्शनी सांस्कृतिक विविधता और आर्थिक आत्मनिर्भरता का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने मीडिया से अपील की है कि मेले का व्यापक प्रचार प्रसार करें, जिससे भोपाल में दूरस्थ ग्रामीण अंचलों से आए सभी उत्पादों की ब्रिकी हो जाए।राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को बिट्टन मार्केट, दशहरा मैदान में आयोजित ओजस्वनी महोत्सव भोपाल 2025 को संबोधित कर रहे थे। महोत्सव का आयोजन नाबार्ड के सह प्रायोजन में ओजस्वनी समदर्शी न्यास एवं वसुधा पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। आत्मा मजबूत होगी तभी हमारा शरीर अर्थात् देश मजबूत, सक्षम और आत्मनिर्भर हो सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भी भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने का महान कार्य हो रहा है। सरकार, मेक इन इंड़िया, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और वोकल फॉर लोकल के तहत स्थानीय उत्पादों को बड़े बाज़ारों तक पहुँचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने प्रशिक्षित ग्रामीण महिला समूहों, कृषक उत्पादक संघों के द्वारा तैयार उत्पादों के लिए वर्ष 2018 से हर वर्ष राष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-बिक्री के आयोजन और अनेक अन्य प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के कार्यों के लिए नाबार्ड भोपाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण आजीविका को और अधिक सशक्त बनाने के लिए कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों, स्थानीय कारीगरों और उत्पादों के आजीविका समूहों को प्रशिक्षण और प्रोत्साहन के निरंतर प्रयास जरूरी है।

राज्यपाल श्री पटेल ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती में नाबार्ड के %स्वयं सहायता समूह - बैंक लिंकेज कार्यक्रम% को विश्व का सबसे बड़ा सूक्ष्म ऋण कार्यक्रम बनने की बधाई दी। उन्होंने कहा कि दूरस्थ अंचलों के भ्रमण के दौरान वे स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के साथ चर्चा करते है। यह देखकर बहुत खुशी होती है कि समूह से जुड़कर महिलाओं का आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण हुआ है। ग्रामीण आजीविका को मजबूती मिली है।

क्षेत्रीय निदेशक भारतीय रिजर्व बैंक सुश्री रेखा चंदनावेली ने प्रदर्शनी सह-ब्रिकी की पहल के लिए नाबार्ड की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण आजीविका के लिए आमदनी प्राप्त होती है। प्रॉयारिटी सेक्टर को आर.बी.आई. द्वारा भी बहुत सहयोग किया जाता है। मुख्य महाप्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक श्री प्रवाश कुमार सुबुधी ने कहा कि नाबार्ड का प्रयास समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। ऐसे आयोजनों में शामिल होकर कारीगरों, कृषकों, महिला स्व-सहायता समूहों को बड़ा बाजार, बड़ा विजन और डिजिटल प्लेटफार्म के उपयोग के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

अध्यक्ष ओजस्वनी समदर्शी न्यास, कुलाधिपति एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह डॉ. सुधा मलैया ने बताया कि ओजस्वनी महोत्सव का प्रारंभ वर्ष 2004 से हुआ है। आयोजन का यह 22वां वर्ष है। आयोजन अवधि में नृत्यश्री और स्वरश्री की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। नाबार्ड की महाप्रबंधक श्रीमती सी. सरस्वती ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि नाबार्ड विकास वित्त संस्थान के रूप में ग्रामीण उद्यमिता स्थानीय स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा, वित्तीय समावेशन और महिला, कृषक सशक्तिकरण के द्वारा ग्रामीण समृद्धि में सहयोग कर रहा है। बाजार की जरूरतों के अनुसार हस्तशिल्पियों, कारीगरों, महिला स्व-सहायता समूहों, कृषक और गैर कृषक उत्पाद संघों की समझ बढ़ाने, उत्पाद और बाजार तैयार कराने के प्रयासों में सहयोग, आयोजन का उद्देश्य है। इस राष्ट्रीय स्तरीय आयोजन में 16 एफपीओ, 16 एसएचजी और 22 ओएफपीओ सहित 100 कारीगर शामिल हो रहे हैं।

मंत्री श्री तोमर ने किया 'वीमित्र ऐप' का औपचारिक शुभारंभ

432 सूचनाकर्ताओं को ?1.95 लाख इनामी की राशि अंतरित की

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विकसित अत्याधुनिक %वीमित्र ऐप% का औपचारिक शुभारंभ किया। ऐप प्रदेश में ही नहीं, पूरे देश में विद्युत चोरी की रोकथाम के लिये एक डिजिटल क्रांति का प्रतीक बनकर उभरा है। मंत्री श्री तोमर ने %वीमित्र ऐप% के माध्यम से सटीक और प्रमाणिक सूचनाएं देने वाले 432 नागरिकों को 1.95 लाख की ईनाम की राशि डिजिटल माध्यम से अंतरित की।

मंत्री श्री तोमर ने ऐप की उपयोगिता और इसके तकनीकी पक्ष पर प्रकाश डालते हुए यूज़र गाइड, शैक्षिक कार्टूनों से सजी प्रेरणादायक मैगजीन तथा विभागीय मार्गदर्शिका का भी विमोचन किया। इन संसाधनों के माध्यम से आमजन एवं विभागीय कर्मियों को ऐप की कार्यप्रणाली को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने ऐप के निर्माण के लिए कंपनी के प्रबंध संचालक श्री अनय द्विवेदी की सराहना करते हुए कहा कि ÷वीमित्र ऐप न केवल विद्युत चोरी रोकने का एक प्रभावी उपकरण है, बल्कि यह शासन में पारदर्शिता और जन-सहभागिता को भी सशक्त बनाता है।÷मंत्री श्री तोमर ने कहा कि इस पहल को प्रदेश की अन्य विद्युत वितरण कंपनियों में भी शीघ्र लागू किया जाए।

%वीमित्र ऐप% की अब तक की उपलब्धियाँ

वीमित्र ऐप 1 जुलाई 2025 से प्रारंभ हुआ है। इसमें डाउनलोड्स-23 हजार से अधिक, प्राप्त सूचनाएं 19 हजार 552, जाँच की गई सूचनाएं 9 हजार 091, सही पाई गई सूचनाएं 2 हजार 506, वितरित इनाम राशि~ ?8 लाख 17 हजार और कंपनी को लाभ ?3 करोड़ 51 लाख हुआ। वीमित्र ऐप की एक खास बात यह है कि इसके माध्यम से सूचनाकर्ता गुमनाम रूप से भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं, जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुरक्षा या भय की भावना से मुक्त किया गया है। ऐप को एंड्रॉइड और ढ्ढह्रस् दोनों प्लेटफॉर्म्स पर निशुल्क उपलब्ध कराया गया है। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की यह पहल डिजिटल सशक्तिकरण, सामाजिक सहभागिता और प्रशासनिक पारदर्शिता की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है, जिसकी पूरे प्रदेश में प्रशंसा हो रही है।

आल प्रगतीशील पैशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन को प्रांताध्यक्ष रामगोपाल सेन ने संबोधित किया

सीहोर। बुधवार, दिनांक 8 अक्टुबर 2025 को अम्बेडकर पार्क तुलसी नगर भोपाल में आयोजित पैशनरों के ऐतिहासिक एक दिवसीय धरने को संबोधित करते हुए म.प्र. शासकीय अधिकारी कर्मचारी जनकल्याण संघ के प्रांताध्यक्ष रामगोपाल सेन ने वर्तमान सरकार को मंच के माध्यम से आग्रह किया कि सरकार मप्र के पैशनरों के ज्ञापन में उल्लेखित सभी मांगों को दीपावली से पूर्व शेष महंगाई भत्ता के साथ आदेश जारी कराकर प्रदेश के वरिष्ठ पैशनरों के आक्रोश को शांत किया जावे। जिसमें बकाया पांच प्रतिशत डीए/मृत्यु पर आम कर्मचारी की भांति एग्रिसिया की राशि 27 माह का बकाया एरियर्स प्रमुख हैं। प्रांताध्यक्ष रामगोपाल सेन ने पैशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष सुधीर दुबे के नेतृत्व की सराहना की जो प्रदेश के पैशनरों को संगठित किए हुए हैं। आज के धरना-प्रदर्शन में सीहोर जिले की सहभागिता सराहनीय रही। जिसमें प्रांताध्यक्ष रामगोपाल सेन, आर.के. बांगरे, अभय जैन, महेश सैन, दीनदयाल शंखवार, सुशील शाक्य, सेतवंत श्रीवास्तव, आर.सी. पोतदार, आर.एन. शर्मा, सुरेश शर्मा आदि प्रमुख थे। प्रदेश के जिलों से आए पैशनरों ने रामगोपाल सेन प्रांताध्यक्ष के ओजस्वी उद्धवोधन की सराहना की। प्रांताध्यक्ष रामगोपाल सेन ने धरना आंदोलन के आयोजक सुधीर दुबे का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने मंच पर आमंत्रित कर स्वागत और उद्बोधन का समय प्रदान किया।

नवागत जिला पंचायत सीईओ ने किया पदभार ग्रहण

भारतीय प्रशासनिक सेवा की 2020 बैच की आईएएस अधिकारी सुश्री सर्जना यादव ने सीहोर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का पदभार ग्रहण किया। आईएएस अधिकारी सुश्री सर्जना यादव सीहोर पदस्थापना से पहले जबलपुर में अपर कलेक्टर के पद पर पदस्थ थीं। पदभार ग्रहण करने से पहले उन्होंने कलेक्टर श्री बालागुरू के. से भेंट की। पदभार ग्रहण करने के बाद सुश्री सर्जना यादव ने जिला पंचायत के अधिकारियों की बैठक लेकर सभी से परिचय प्राप्त किया तथा जिले में चल रहे पंचायत तथा ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की जानकारी ली।

सिहोर समाचार...

नवाचारी प्रयासों से तलाशें समस्याओं के वैकल्पिक समाधान ~ मुख्य सचिव श्री जैन

जिलों से विलेज एक्शन प्लान शीघ्र तैयार करने की अपेक्षा

राष्ट्रव्यापी जनजाति गौरव दिवस 15 नवंबर से पहले पीएम जनमन के कार्य पूरा करें

दिसम्बर तक वन अधिकार दावों का हो निराकरण

जनजातीय विकास कार्यों पर हुआ विशेष सत्र

कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि नवाचारी प्रयासों से समस्याओं के वैकल्पिक समाधान तलाशें और आदर्श प्रक्रियाएं अपनाएं। जनजातीय विकास की योजनाएं संवेदनशील प्रकृति की होती हैं, इसलिये समय-सीमा का ध्यान रखा जाये। मुख्य सचिव श्री जैन कलेक्टर कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन जनजातीय विकास कार्यों, आदि कर्मयोगी अभियान, पीएम जनमन योजना, धरती आबा जनजाति उत्कर्ष अभियान, वन अधिकार अधिनियम संबंधी विषयों पर कलेक्टर-कमिश्नर से यह बात कही।

प्रमुख सचिव जनजाति कार्य श्री गुलशन बामरा ने प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने कहा आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत सभी जिले शीघ्र ही प्रत्येक ग्राम का विलेज एक्शन प्लान तैयार कर ग्राम सभा से अनुमोदन करवाये। विलेज एक्शन प्लान के आधार पर डिस्ट्रिक्ट एक्शन प्लान तैयार होगा और डिस्ट्रिक्ट एक्शन प्लान के आधार पर स्टेट एक्शन प्लान तैयार होगा। इस प्रकार तैयार हुए प्लान का नई दिल्ली में प्रस्तुतिकरण होगा और सर्वश्रेष्ठ प्लान को पुरस्कृत किया जाएगा।कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि आदि कर्मयोगी अभियान में 14 हजार 40 लक्षित गांव के 10 हजार 893 विलेज एक्शन प्लान बन चुके हैं। इन गांवों में 11 हजार 394 आदि सेवा केंद्र स्थापित हो चुके हैं। आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पीएम किसान जन धन, जाति प्रमाण-पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, राशन कार्ड जैसे जरूरी दस्तावेज जारी किए गए उनकी संख्या 17 लाख 70 हजार 745 है।

प्रतुतिकरण में बताया गया कि पीएम जनमन योजना के अंतर्गत हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश में उत्कृष्ट कार्य हुआ है। आधार कार्ड, जनधन बैंक खाता, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि और राशन कार्ड जैसे दस्तावेज उपलब्ध कराने में 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। आयुष्मान कार्ड जारी करने में शिवपुरी, मैहर, रायसेन, कटनी और भिंड ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। लंबित जाति प्रमाण पत्र जारी करने में जबलपुर, रायसेन और सिवनी ने अच्छा प्रदर्शन किया है। सभी जिलों से अधोसंरचनात्मक कार्य जैसे हॉस्टल निर्माण, सड़क निर्माण, आंगनवाड़ी भवन निर्माण, बहुउद्देशीय सेंटर निर्माण जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिये गये।श्री बामरा ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 15 नवंबर को राष्ट्रव्यापी जनजाति गौरव दिवस का आयोजन किया जाएगा। सभी जिलों से पीएम जनमन के अंतर्गत आने वाली योजनाओं में निर्धारित कार्यों को 15 नवंबर से पहले पूरा कर ले।अपर मुख्य सचिव?वन श्री अशोक बर्णवाल ने जिला कलेक्टर्स से वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत दिसंबर 2025 तक पूर्व के निरस्त दावों का पुनः परीक्षण कर निराकरण करने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि सामाजिक सामुदायिक वन संधारण के संरक्षण एवं प्रबंधन के अधिकारों की मान्यता के लिए जिलेवार निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप दिसंबर तक कार्रवाई पूरी करें और लंबित दावों का निराकरण करें। वन ग्रामों के राजस्व गांव में परिवर्तन करने के लिए अपनाई गई आदर्श प्रक्रिया के आधार पर कार्रवाई पूरी करने के निर्देश जिलों को दिये, जिससे सभी वन अधिकार-पत्र धारकों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया जा सके। वर्तमान में 29 जिलों में कुल 792 वन ग्रामों के परिवर्तन की कार्यवाही प्रचलन में है। संरक्षण क्षेत्र में स्थित 66 वन ग्रामों में कार्रवाई शेष है। इन वन ग्रामों की बाहरी सीमाओं का निर्धारण एवं नक्शा तैयार किया जाना है और कब्जे तथा वयस्कता का निर्धारण कराकर वन अधिकार पत्र के लिए पात्रता निर्धारित की जाना है।

शहर कांग्रेस ने महार्षि वाल्मीकि जयंती चल समारोह का किया स्वागत

सीहोर। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी महार्षि वाल्मीकि जी की जयंती के अवसर पर भव्यता के साथ निकाले गये चल समारोह का स्थानीय कोतवाली चौराहे पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती के निर्देशानुसार शहर अध्यक्ष निशांत वर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने पुष्प वर्षा कर चल समारोह का स्वागत किया। इस मौके पर निशांत वर्मा ने कहा कि भारत हमेशा से ही महान लोगों और विद्वानों का देश रहा है। हमारे देश की इस पवित्र धरती पर कई प्रमुख और महान लोगों ने जन्म लिया है, इसलिए भारत को विद्वानों का देश कहा जाता है। महर्षि वाल्मीकि हमारे देश के उन महानतम लोगों मे से एक थे। वह एक संत थे और वो एक साधारण जीवन और उच्च विचार रखने वाले व्यक्ति थे। वह बहुत ज्ञानी होने के साथ-साथ एक महान व्यक्तित्व वाले व्यक्ति थे। वह हमारे देश के सबसे प्रचीन कवि है।

वाल्मीकि जी हमारे हिन्दू महाकाव्य के महान पवित्र पुस्तक रामायण की लेखक भी है। इस अवसर प्रमुख रूप से प्रीतम दयाल चौरसिया, राजाराम बड़े भाई, ओम बाबा राठौर, राकेश वर्मा, घनश्याम यादव, के.के. रिछारिया, तुलसी राजकुमार राठौर, भगत सिंह तोमर, असरफ अली, अजय रैकवार, विवेक गोयल, गजराज परमार, तनिष्क त्यागी, आशीष, अभिषेक आदि प्रमुख रूप से उपस्स्थित रहे।

मप्र राज्य कर्मचारी संघ का स्थापना दिवस समारोह संपन्न

सीहोर। म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ का 48 वाँ स्थापना दिवस समारोह तहसील चौराहा स्थित भारतीय मजदूर संघ कार्यालय मे समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र वर्मा, उपाध्यक्ष भोपाल सम्भाग विशेष अतिथि पं सन्तोष शर्मा पूर्व प्रदेश मंत्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपाल सिंह ठाकुर पूर्व सम्भाग अध्यक्ष ने की। कार्यक्रम का प्रारम्भ अतिथियों द्वारा भगवान विश्वकर्मा तथा भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन से हुआ। राज्य कर्मचारी संघ की स्थापना के उद्देश्य तथा कार्यक्रम के बारे मे पं सन्तोष शर्मा द्वारा विस्तार से बताया गया! उन्होंने कहा कि प्रवास, कार्यकर्ता सम्पर्क, कार्यक्रम तथा कोष किसी भी संगठन की आत्मा होते है। मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र वर्मा ने उपस्थित कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कर्मचारी संघ एक परिवार है व्यक्तिहित परिवारहित में राष्ट्रहित समाया है। शासन की योजनाओं को कर्मचारियों के माध्यम से क्रियान्वत किया जाता है अत~ सभी को राष्ट्रहित मे यह कार्य बिना किसी रागद्वेष मे करना चाहिए। संघ का नारा है देशहित मे करेंगे काम, काम के लेगे पूरे दाम! हम राष्ट्र की मजबूरी का लाभ उठाने वाले नही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गोपाल सिंह ठाकुर ने कहा कि संघ का प्रेरणा गीत ही हमारी प्रेरणा है मानवता के लिए उषा का किरण जगाने का कार्य, शोषित पीड़ित अंतिम पक्ति के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचे यही हमारा उद्देश्य है।

कार्यक्रम मे जिलाध्यक्ष कुंदन राय, सचिव बलराम पंवार कोषाध्यक्ष विनोद जोशी, अंकुर शर्मा, मनोज व्यास, अरूण जोशी, लाड़ सिंह बकोदिया, सन्तोष सिंह, राघवेन्द्र दिक्षित, नरेन्द्र विश्वकर्मा, मुकेश राठौर, राकेश केलोदिया सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय स्तर सेवा शिविर कार्यशाला स्वच्छ भारत अभियान में सीहोर जिले की भागीदारी

सीहोर। भारत स्काउट एवं गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 06 से 10 अक्टूबर 2025 तक आयोजित नेशनल लेवल सर्विस कैंप कम वर्कशॉप ऑन स्वच्छ भारत अभियान में मध्य प्रदेश राज्य के सीहोर जिले से एडवांस रोवर लीडर सूरज सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में दो रोवर देवांश सिंह एवं आकाश मालवीय ने भाग लिया।कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत खुले में शौच की समस्या को समाप्त करना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना एवं युवाओं को सेवा भावना से जोडना था।इस कार्यशाला के दौरान रोवर्स को स्वच्छता, सामुदायिक सेवा, नेतृत्व विकास तथा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विविध गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिला।

शरद महोत्सव पर विराट कवि समागम में महर्षि वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न

सीहोर। स्थानीय रैंबो प्ले स्कूल के सभागार में शरद पूर्णिमा एवं महर्षि वाल्मीकि जयंती पर विचार एवं काव्यगोष्ठी का आयोजित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि हीरालाल जायसवाल अनाड़ी ने की। मुख्य अतिथि गीतकार द्वारका बांसुरिया विशेष अतिथि एनजीओ प्रकोष्ठ अध्यक्ष बृजमोहन सोनी एवं त्रिलोचन प्रसाद दुबे रहे। सर्वप्रथम माँ सरस्वती एवं वाल्मीकिजी के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सरस्वती वंदना कवि जोरावर सिंह ने प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र ओढ़ाकर संदीप मेवाड़ा एवं यश जायसवाल ने किया ।कार्यक्रम का संचालन अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिला अध्यक्ष डॉ. विजेंद्र जायसवाल ने किया। इस अवसर पर शहर के कवि लक्ष्मण चौकसे का सम्मान उनके द्वारा लगभग 51 फिल्मों मे काम एवं 4 सीरियल मे काम करने पर शाल, श्रीफल, एवं सम्मान - पत्र भेंट कर किया गया। ओर सीहोर जिले के ग्राम कर्मणखेड़ी के युवा कवि राहुल ठाकुर का सम्मान उनके द्वारा वाह वाह क्या बात मे काव्य पाठ करने के लिए शाल श्रीफल एवं सम्मान पत्र भेंट कर किया गया। साथ ही संगठन विस्तार करते हुए जिले एवं तहसील के पदाधिकारी की घोषणा हुई ।जिसमें जिला उपाध्यक्ष हीरा लाल जायसवाल ,गोविंद लवानिया ,तहसील सीहोर अध्यक्ष कैलाश चव्हाण ,उपाध्यक्ष प्रवेश मिश्रा ,संतोष सनातनी एवं तहसील संरक्षण सचिन शर्मा रहे। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किये और साहित्यकारों ने काव्य पाठ किया जिसमें मुख्य रूप से द्वारका बासुरिया, हिरालाल जायसवाल अनाड़ी, त्रिलोचन प्रसाद दुबे ,विनोद पंसारी ,हरिश्चंद्र आर्य,जोरावर सिंह, गोविंद लोवानिया,जितेंद्र नरोलिया, लक्ष्मण सिंह चौकसे, आदित्य हरी गुप्ता , डॉ.हरीश पथिक, संतोष सनातनी, डॉ.अखिलेश हटीला, डॉ. विजेंद्र जायसवाल, संदीप मेवाड़ा, कैलाश चव्हाण ,राहुल ठाकुर ,यश जायसवाल , हीरा लाल शर्मा, सुमित ठाकुर, देवराज ठाकुर आदि रहे। अंत मे कार्यक्रम का आभार महामंत्री लक्ष्मण सिंह चौकसे ने माना।

स्वामी स्व.किशन लाल जाटव के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजीव चौकोटिया द्वारा जय दुर्गा आर्ट प्रिंटिंग प्रेस नाका चंन्द्र बदनी लश्कर ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित । संपादक संजीव चौकोटिया मो.9826363999, 9893466021 samtasaket.page,email-samtasaket.page@gmail.com (किसी भी न्यायालयीन कार्यवाही के लिए न्याय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।